भाद्रपद कृष्ण पक्ष 7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 58 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
03 सितंबर 2026
गुरुवार

आज का मौसम
27.3 अधिकतम
23.1 न्यूनतम

Page-7

न्यूज विंडो

हथिनीकुंड बैराज हादसे में लापता एक जवान का शव मिला

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज पर डूबे सेना के दो जवानों में से एक का शव मिल गया है। शव बुधवार रात बैराज से करीब 15 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के बरथा कोरसी गांव के पास यमुना नदी से बरामद हुआ। हालांकि, सेना की ओर से अभी शव की पहचान नहीं की गई है। दूसरे जवान की तलाश जारी है। मंगलवार शाम प्रैक्टिस के दौरान पांच जवान चिनूक हेलिकॉप्टर से यमुना में खड़ी बोट पर कूदे थे। इसी दौरान अचानक बोट डूब गई। 3 जवान तैरकर बाहर निकल आए, जबकि 2 लापता हो गए।

टीएमसी दफ्तर में सुबह 4:30 बजे तोड़फोड़ का आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में बीजेपी के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर आज सुबह करीब 4:30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया।

दिल्ली के नरेला में जिम के बाहर प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला में सुबह जिम के बाहर अज्ञात हमलावरों ने प्रॉपर्टी डीलर प्रमोद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 7 बजे हुई। हमलावरों ने प्रमोद पर फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

भूकंप के झटकों से हिली महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की धरती

गढ़चिरौली। गुरुवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गढ़चिरौली में ये भूकंप तड़के तड़के सुबह 4 बजे के करीब आया जिससे लोग डर गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई है। भूकंप की गहराई धरती से करीब 10 किलोमीटर की बताई जा रही है। भूकंप से किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है।

मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज की एम के स्टालिन की याचिका

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में करारी हार के बाद डीएमके चीफ एम के स्टालिन को अब मद्रास हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। मद्रास हाईकोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट ने डीएमके अध्यक्ष और कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार एम के स्टालिन की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने वोटों की गिनती के बाद वीवीपैट पर्चियों के मिलान में अंतर के आधार पर कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक वी एस बाबू की जीत को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

महाराष्ट्र के मंत्री पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, यूट्यूबर गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटिल और एक महिला पार्षद से जुड़े मानहानिकारक वीडियो और कंटेंट सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में पुणे पुलिस ने एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार यूट्यूबर की पहचान संतोष पंडित के रूप में हुई है। पुणे के कोथरूड पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर संतोष पंडित के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

आज का कार्टून

अविरल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन की करोड़ों की संपत्ति के पीछे भी सौरभ शर्मा का नेटवर्क !

सामने आया बेनामी संपत्ति का खेल असली किरदार अब भी पर्दे के पीछे

दोपहर मेट्रो स्पेशल
राजेश सिरोठिया
काली कमाई की परतें
पार्ट -2

भोपाल

सौरभ शर्मा प्रकरण की पहली तस्वीर में एक पूर्व परिवहन आरक्षक के घर से मिली संपत्ति और मेंडोरी की इनोवा से बरामद 11.60 करोड़ रुपये नकद और 51.893 किलो सोना दिखाई देता है। लेकिन जांच आगे बढ़ी तो कहानी व्यक्ति से निकलकर एक नेटवर्क तक पहुंच गई।

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सौरभ शर्मा के साथ चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल, परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़ी कंपनियों के नाम सामने आए। एजेंसी ने आरोप लगाया कि अपराध से अर्जित धन को अलग-अलग व्यक्तियों और संस्थाओं के माध्यम से संपत्तियों में लगाया गया। यहीं से सवाल उठता है कि सौरभ की काली कमाई आखिर किस-किस नाम पर पहुंची?

प्रवर्तन निदेशालयके रिकॉर्ड के अनुसार अविरल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी इस नेटवर्क की महत्वपूर्ण कड़ी बनी।

कंपनी से जुड़े लोगों में चेतन गौर और शरद जायसवाल के नाम सामने आए। रोहित तिवारी का नाम भी कंपनी के पदाधिकारी के रूप में रिकॉर्ड में आया। जांच एजेंसी ने कंपनी के माध्यम से खरीदी गई कई अचल संपत्तियों पर सवाल उठाया। अदालत के रिकॉर्ड में भी कंपनी द्वारा लाखों-करोड़ों रुपये की संपत्तियां खरीदे जाने का उल्लेख है। जांच एजेंसियों का सवाल था कि इन संपत्तियों की खरीद के लिए वास्तविक धन का स्रोत क्या था? यदि कंपनी के नाम पर संपत्ति खरीदी गई तो उसका वास्तविक लाभार्थी कौन था? और यदि धन सौरभ से जुड़ा था तो उसने यह पैसा कंपनी तक कैसे पहुंचाया?

कुछ ख़ास परिवहन चेक पोस्ट और वहां पदस्थ रहे अफसरों का रिकॉर्ड भी खंगालना होगा

परिवार भी जांच के दायरे में

जांच का दायरा सौरभ के परिवार तक भी गया है। मां, पत्नी, साला और अन्य रिश्तेदारों के नाम संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल हुई।

इससे जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू सामने आया, वह यह कि क्या संपत्तियां वास्तविक मालिक के नाम पर थीं या अलग-अलग लोगों के नाम इस्तेमाल करके अपराध की आय को छिपाया गया? यही वह बिंदु है जहां 'बेनामी संपत्ति' और 'मनी लॉन्ड्रिंग' की जांच एक-दूसरे से जुड़ती है।

इंफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने जांच के दौरान कथित अपराध से अर्जित धन और उससे जुड़ी संपत्तियों का मूल्य करीब 108 करोड़ रूपए आंका। एजेंसी ने PMLA के तहत संपत्तियां अटैच कीं और चार्जशीट दाखिल की। लेकिन इतनी बड़ी राशि के सामने आने के बावजूद एक सवाल अभी भी अपनी जगह कायम है। अगर सौरभ की नौकरी सीमित आय वाली थी तो इतनी बड़ी रकम बनाने के लिए उसे कितने लोगों की मदद की जरूरत थी?

परिवहन विभाग की भूमिका पर सवाल

यहीं से कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा शुरू होता है। सौरभ शर्मा परिवहन विभाग में आरक्षक था। परिवहन चेकपोस्टों और प्रवर्तन से जुड़ी व्यवस्था में काम करने वाले कर्मचारी के पास इतना बड़ा वित्तीय नेटवर्क कैसे विकसित हुआ? क्या वह केवल धन इकट्ठा करने वाला माध्यम था? क्या उसके ऊपर ऐसे अधिकारी थे जिनके लिए वह कथित रूप से धन जुटाता था? क्या जांच में ऐसे अधिकारियों के नाम आए? और यदि आए तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? इन सवालों के जवाब केवल सौरभ की संपत्ति की जांच से नहीं मिलेंगे। इसके लिए उसकी पोस्टिंग, उसके कार्यक्षेत्र, संबंधित चेकपोस्टों और उस दौरान पदस्थ अधिकारियों का पूरा रिकॉर्ड खंगालना होगा।

असली कहानी अभी अधूरी

सौरभ जेल से बाहर है। ईडी की कार्रवाई और लोकायुक्त की जांच अपनी कानूनी प्रक्रिया में है। लेकिन 108 करोड़ रूपए की आपराधिक आय और उससे जुड़ी संपत्तियों का नेटवर्क एक बड़ा सवाल छोड़ता है क्या एक आरक्षक ने अकेले यह पूरा आर्थिक साम्राज्य खड़ा किया था?
यदि नहीं, तो फिर उस नेटवर्क में ऊपर कौन था?
यही सवाल इस प्रकरण की तीसरी कड़ी का केंद्र है...

--- जारी

एसआईआर: पंजाब में कटा राघव चड्ढा का नाम, बदले की भावना का लगाया आरोप

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना का आरोप लगाया है।

यह आरोप तब लगाया गया जब राज्य की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम 'शिफ्टेड' (दूसरी जगह चले गए) के तौर पर मार्क किया गया। जहां एक ओर राघव चड्ढा ने आप पर नाम काटने का आरोप लगाया वहीं, राज्य सरकार ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह प्रक्रिया देश के कानून के तहत चुनाव आयोग के अधीन है। राघव चड्ढा साल 2022 में आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद बने थे। इसी साल उन्होंने भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की। गुरुवार को सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर सांसद ने नाम शिफ्टेड होने को लेकर एक बार फिर आप को घेरा।

कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं का अलार्म, लखनऊ में एअर इंडिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की आज सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजैंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक, विमान के कार्गो में धुएं का अलार्म बजा था। पायलट ने तुरंत लखनऊ संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से अनुमति मिलते ही लैंडिंग कराई।

विमान के उतरते ही रिस्पॉन्स टीम ने मोर्चा संभाला। फायर बिग्रेड और टेक्निकल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। विमान की जांच की गई। विमान (IX 1253) ने वाराणसी एयरपोर्ट से आज सुबह 8 बजे उड़ान भरी। थोड़ी देर बाद ही कार्गो में स्मोक डिटेक्शन का अलार्म बजने लगा। इसके बाद पायलट ने सुबह 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई।

मंडला में नर्मदा नदी छोटे पुल को छूती हुई बह रही है।

प्रदेश के आधे हिस्से में बारिश का अलर्ट, छतरपुर में स्कूलों की छुट्टी

भोपाल/नर्मदापुरम। मानसूनी बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से आज मध्य प्रदेश के आधे हिस्से में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 2 जिले- नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश का रेड जबकि 6 जिले- छतरपुर, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी और बैतूल में ऑरेंज अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 4 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है।

छतरपुर जिले में बारिश, नदी-नालों में उफान और संभावित बाढ़ को देखते हुए कलेक्टर मृणाल मीणा ने आज सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। छुट्टी केवल स्टूडेंट्स के लिए रहेगी। टीचर्स स्कूल में शैक्षणिक और विभागीय काम पूरे करेंगे।

डबरा: कच्चे मकान की छत गिरी, मां-बेटे की मौत

ग्वालियर। डबरा सिटी थाना क्षेत्र के जंगीपुरा में जागेंद्र रजक के कच्चे मकान की छत भरभराकर गिर गईं। कमरे में सो रहे 7 लोग मलबे में दब गए। हादसे में जागेंद्र की पत्नी सीमा (35) और 4 बेटियों के बाद जन्मा इकलौता 2 साल का बेटा आदित्य की मौके पर ही मौत हो गई।

गंगा खतरे के निशान से ऊपर काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

पाक फाइटर जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की, 2019 एयर स्ट्राइक में पीओके में पकड़ाए थे, फिर रिहा हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन एयरफोर्स के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्तमान ने रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी थी जिसकी जानकारी अब सामने आई है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, अभिनंदन अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन FLY91 से जुड़ गए हैं। यहां वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह उनके करियर की नई पारी है। अभिनंदन 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी फाइटर जेट F-16 गिराने के बाद सुर्खियों में आए थे। इस दौरान उनका MiG-21 मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके यानी PoK में उतरना पड़ा। पाकिस्तान ने करीब 60 घंटे हिरासत में रखने के बाद 1 मार्च 2019 को उन्हें भारत को सौंप दिया था। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में CRPF के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके अगले दिन कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमान LoC की ओर बढ़ा। उस समय अभिनंदन श्रीनगर एयरफोर्स स्टेशन पर MiG-21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात थे। पाकिस्तानी विमानों का पता चलने के करीब पांच मिनट बाद अभिनंदन को उन्हें रोकने के लिए भेजा गया। उन्होंने दुश्मन विमान का पीछा किया और हवाई लड़ाई में उसे मार गिराया।

मेट्रो एंकर | ओडिशा की समाजसेवी 23 साल से संवार रही हैं कैदियों के बच्चों की जिंदगी

जिनके माता-पिता जेल में, उनके बचपन की मां बनीं आभा रानी

भुवनेश्वर, एजेंसी

जेल की सलाखों के पीछे सजा काट रहे माता-पिता का अपराध उनके बच्चों ने नहीं किया, लेकिन कई बार उसकी सबसे बड़ी कीमत बच्चों को ही चुकानी पड़ती है। माता-पिता के जेल जाने के बाद उनके सामने रहने, पढ़ने, खाने और सुरक्षित बचपन बिताने का संकट खड़ा हो जाता है। ओडिशा की आभा रानी चौधरी ने ऐसे ही बच्चों के लिए अपने जीवन के 23 साल लगा दिए। वह अब तक 200 से ज्यादा कैदियों के बच्चों को सहारा दे चुकी हैं और उन्हें सामान्य जीवन की राह दिखाने में मदद की है। अभी भी उनके आश्रम में 36 बच्चे रह रहे हैं।

इन बच्चों के लिए आभा रानी सिर्फ देखभाल करने वाली महिला नहीं हैं। उनके लिए वह मां की भूमिका निभाती हैं। जिन बच्चों के माता-पिता जेल में हैं, उनके जीवन में सबसे बड़ी कमी अक्सर माता-पिता की अनुपस्थिति होती है। ऐसे में आभा रानी ने उन्हें ऐसा वातावरण देने की कोशिश की,

जहां वे खुद को अकेला या समाज से अलग महसूस न करें। इस काम की खासियत यह है कि यहां बच्चों को उनके माता-पिता के अपराध के आधार पर नहीं देखा जाता। बच्चे किसी अपराध के जिम्मेदार नहीं होते, लेकिन परिस्थितियां उन्हें ऐसी जिंदगी में धकेल देती हैं। यह आश्रम ऐसे ही बच्चों के लिए सुरक्षित जगह बना है।

आभा रानी ने समस्या के दूसरे छोर पर काम शुरू किया। उन्होंने इन बच्चों को केवल तत्काल सहारा देने के बजाय उन्हें बेहतर जिंदगी की राह पर लाने की कोशिश की। उनके आश्रम में रहने वाले बच्चों के लिए घर जैसा वातावरण तैयार करना इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 23 वर्षों का यह सफर यह भी बताता है कि ऐसे बच्चों की जरूरत केवल भोजन और छत तक सीमित नहीं होती। उन्हें अपनापन, सुरक्षा और समाज में सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी चाहिए।

यह कहानी उस सवाल को भी सामने लाती है कि किसी व्यक्ति की सजा का असर उसके बच्चों तक कितना पहुंचना चाहिए। कानून अपराधी को सजा देता है, बच्चे को नहीं। इसलिए कैदियों के बच्चों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल तैयार करना केवल मानवीय संवेदना नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

स्वतंत्र पहचान और बेहतर जीवन

कैदियों के बच्चों के सामने सबसे बड़ी समस्या सिर्फ माता-पिता से दूरी नहीं होती। कई बच्चों के लिए घर, पढ़ाई और सामाजिक सुरक्षा भी प्रभावित हो जाती है। माता-पिता के जेल जाने के बाद यदि परिवार में उनकी देखभाल करने वाला कोई न हो तो बच्चे रिश्तेदारों या दूसरे सहारे पर निर्भर हो सकते हैं। कुछ बच्चों का बचपन जेल परिसर में ही बीतने की स्थिति भी बनती है। ऐसे माहौल में उन्हें अपने माता-पिता के अपराध और अपनी पहचान के बीच अंतर समझाना जरूरी होता है। आभा रानी चौधरी की पहल से बच्चों को माता-पिता के अपराध से अलग एक स्वतंत्र पहचान और बेहतर जीवन का अवसर देने की कोशिश की जा रही है।

न्यूज विंडो

जेपी अस्पताल: खुले में पड़ा था बायोमेडिकल वेस्ट, कोर्ट चालान

भोपाल। जेपी अस्पताल गेट के पास बायोमेडिकल वेस्ट और सामान्य कचरा एक साथ खुले में पड़ा मिला। सिरिंज, इंजेक्शन की शीशियां, खून व दवाओं लगी पट्टियां और रैपर के साथ खाद्य पदार्थ व नारियल के खोल भी मिले। निगम अधिकारियों ने इस मामले में अस्पताल की हाउस कीपिंग संस्था सेडमेप के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई के लिए न्यायालय में चालान पेश किया। निगम अधिकारियों ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय जैन को मौके की स्थिति दिखाई और सेडमेप के प्रतिनिधियों को बुलाकर सफाई कराने तथा जुर्माना जमा कराने को कहा। अधीक्षक ने संस्था के प्रतिनिधियों को सूचना दी, लेकिन न कोई प्रतिनिधि मौके पर पहुंचा और न जुर्माना जमा किया गया। ऐसे में निगम ने कोर्ट में चालान पेश करने की कार्रवाई की।

गैस उपभोक्ताओं के लिए बढ़ी तारीख, अब 7 तक केवाईसी

भोपाल। गैस कंपनियों के द्वारा रसोई गैस उपभोक्ताओं की केवाईसी के लिए 7 सितंबर तक तारीख बढ़ा दी गई है। उपभोक्ता एजेंसी पर जाकर या फिर दिए गए मोबाइल ऐप से केवाईसी कर सकते हैं। यदि केवाईसी नहीं करवाई तो गैस कनेक्शन कट जाएगा। बता दें कि शहर में 4.5 लाख रसोई गैस उपभोक्ताओं में से 1 लाख उपभोक्ताओं ने केवाईसी नहीं करवाई है। उनमें से अब तक करीब 95 हजार उपभोक्ता केवाईसी करवा चुके हैं। अब शेष 5 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक केवाईसी नहीं करवाई है।

बरखेड़ा में इस नवरात्रि राजस्थान के कांबेश्वर मंदिर की प्रतिकृति

भोपाल। गैस कंपनियों के द्वारा रसोई गैस मां दुर्गा की झांकी के लिए किया गया भूमिपूजन बरखेड़ा स्थित विजय मार्केट विजय मार्केट में नवरात्रि की भव्य झांकी के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। इस साल झांकी में राजस्थान के प्रसिद्ध श्री कांबेश्वर महादेव मंदिर की भव्य एवं दिव्य प्रतिकृति का निर्माण किया जा रहा है। यहां मां जगदम्बा की झांकी का आकर्षण देखते ही बनेगा।

एक ही व्यक्ति ने 4 फर्म बनाकर जेम पोर्टल में किया फर्जीवाड़ा

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में कंप्यूटर व अन्य खरीदी में 10.99 करोड़ का फर्जीवाड़ा होने पर ईओडब्ल्यू ने एमपी नगर स्थित एक ही पते पर दर्ज 4 फर्मों पर केस दर्ज किया है। शिवम यादव एवं विनय रायकवार ने शिकायत की थी। जांच में ईओडब्ल्यू ने पाया कि टेंडर के लिए आपस में मुकाबला करने वाली चारों फर्म एक ही व्यक्ति की थीं। नकली मुकाबला दिखाकर ठेका लेकर पुराना और घटिया सामान नया बताकर दिया । आरोपी रणधीर पटेल (साईंबाबा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम), हेमलता पटेल (शांति ट्रेडर्स), अशोक सिंह (एचटीएम इंडिया), देवेंद्र सिंह (सूरज इंटरप्राइजेज) एवं अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

नजीराबाद में महिला को सांप ने डसा, इलाज से पहले ही दम तोड़ा

भोपाल। नजीराबाद में सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। ग्राम खेरखेड़ा निवासी मोहरबाई गुर्जर (50) को मंगलवार को सांप ने डस लिया था। परिजन उन्हें हमीदिया ले गए। इलाज शुरू होने से पहले ही मौत हो चुकी थी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कल: मंदिर सजे, बाजार गुलजार, आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव

नटखट नंदलाल के लोगों ने खरीदे वस्त्र, मुकुट और बांसुरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जन्माष्टमी को लेकर शहर कृष्णमय हो गया है। कान्हा के जन्मोत्सव की तैयारियों के बीच बाजार रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी सामान से सज गए हैं। नटखट नंदलाल के स्वागत के लिए शहरवासियों ने आज बाजारों में पसंदीदा सामान खरीदे। पूजा के सामान के साथ भगवान श्रीकृष्ण को पहनाने के लिए आकर्षक कपड़े, मुकुट, बांसुरी, झूले, मोरपंख और श्रृंगार सामग्री खरीदी। लोगों ने घर की मंदिरों को सजाने के लिए भी कई सजावटी सामान खरीदे हैं। खास यह है कि इस बार राज्य सरकार ने प्रदेशभर में गोकुल की तरह कृष्ण जन्मोत्सव मनाने की अपील की है। ऐसे में शहरवासियों ने घरों की साज-सज्जा भी शुरू कर दी है। तोरण द्वार और रंग-बिरंगी रोशनी से शहर के घर चमक रहे हैं।

मंदिरों में 24 घंटे अखंड कीर्तन

कोलार स्थित इस्कॉन (श्री श्री राधा गोविंद) मंदिर में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भक्ति, उल्लास और वैदिक परंपरा के साथ मनाया जाएगा। भगवान को 000 से अधिक व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। दिनभर फलाहारी भंडारे का आयोजन होगा। 24 घंटे अखंड कीर्तन होगा। इसके साथ ही बिरला मंदिर, श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर समेत सभी मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। रात 12 बजे शंखनाद, घड़ियाल और हरिनाम संकीर्तन के बीच भगवान के दिव्य प्राकट्य का उत्सव मनेगा और विशेष महाआरती होगी।

पचमढ़ी-तवा, रातापानी के होटल दिलाने का झांसा, 45 लाख ऐंठे, भाई भी आरोपी

'पर्यटन' के होटल लीज पर दिलाने वाली फर्जी IAS पर चौथी FIR

भोपाल। दोपहर मेट्रो

तृप्ति सिंह राजपूत और उसके भाई सुधांशु सिंह का एक और ठगी का मामला सामने आया है। पर्यटन विभाग की फर्जी अपर निदेशक (आईएएस अधिकारी) बनकर लीज पर होटल दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपए की ठगी की गई है। इस मामले में तृप्ति और भाई सुधांशु के खिलाफ बागसेवनिया पुलिस ने केस दर्ज किया है। दोनों पर बागसेवनिया थाने में यह ठगी का दूसरा केस है। पुलिस अशोकनगर से भोपाल लेकर आ रही है। इससे पहले अशोकनगर पुलिस दोनों को दो मामलों में गिरफ्तार कर चुकी है।

तृप्ति व सुधांशु बागसेवनिया क्षेत्र के संत आसाराम नगर में रहते हैं। टीआई अमित सोनी ने बताया, बालाघाट के बारा सिवनी के गगन उपवंशी की पहचान रोहित के जरिए दिसंबर 2025 में तृप्ति से हुई थी। तृप्ति ने खुद को पर्यटन विभाग में पदस्थ बताते हुए पचमढ़ी, तवा या रातापानी में कम कीमत में होटल लीज पर दिलाने का प्रस्ताव दिया था। भरोसे में आए गगन ने तृप्ति, भाई सुधांशु, प्रखर सिंह और अन्य के कहने पर किस्तों में रकम दे दी।

विधानसभा के बाहर लाल साड़ी में तृप्ति ने बनाया था वीडियो।

तृप्ति का भाई सुधांशु सिंह।

किस्तों में लिए रुपए, बाद में 90 हजार लौटाए

गगन ने 14 दिसंबर 2025 को 17 लाख रुपए, 23 फरवरी 2026 को 13 लाख और 31 मार्च को 15 लाख रुपए दिए। इस तरह कुल 45 लाख रुपए का भुगतान किया गया। आरोपियों ने जीएसटी, फूड सेफ्टी सहित अन्य दस्तावेज और फाइल तैयार कराने के नाम पर यह रकम ली थी। रुपए लेने के कुछ समय बाद गगन उपवंशी को आरोपियों की गतिविधियों पर संदेह होने लगा। ऐसे में उसने रकम वापस करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोपियों ने सिर्फ 90 हजार रुपए लौटाए। इसके बाद गगन ने बाग सेवनिया थाने में केस दर्ज कराया।

आज रिमांड पर लेगी पुलिस

पुलिस अब आरोपियों से होटल की लीज दिलाने के नाम पर की गई ठगी, फर्जी दस्तावेज और रकम के लेन-देन को लेकर पूछताछ करेगी। आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस उन्हें रिमांड पर लेगी। बागसेवनिया पुलिस इससे पहले 27 अगस्त को तृप्ति, सुधांशु सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज कर चुकी है। इस मामले में मध्य प्रदेश पुलिस सेवा के एक अधिकारी के रिश्तेदार रोहित लिल्हारे को भी निशाना बनाया गया था। आरोपियों ने विंड एंड वेब्स और पलाश होटल जैसे प्रमुख संस्थानों को लीज पर दिलाने का झांसा देकर रोहित से 35 लाख 30 हजार रुपए ऐंठ लिए थे। नौकरी लगवाने के नाम पर भी 3.87 लाख रुपए लेने का आरोप है। प्रखर लीज से जुड़े फर्जी दस्तावेज बनाता था।

भरोसा जीतने विधानसभा के बाहर बनाया वीडियो

अशोकनगर जिले के चंदेरी में फर्जी आईएएस बनकर लोगों से ठगी के आरोप में गिरफ्तार तृप्ति सिंह राजपूत बेहद शातिर है। उसका एक वीडियो सामने आया है। इसमें तृप्ति दो सहेलियों के साथ विधानसभा परिसर में घूमती और ब्लॉग बनाती नजर आ रही है। एक वीडियो में तृप्ति लाल साड़ी पहने दिखाई देती है, जबकि सहेली उसे 'सीनियर' बताते हुए नजर आती है। तृप्ति कहती है, हम प्रोबेशनर हैं। साथ ही थोड़े 'बेवकूफ' हैं। विधानसभा परिसर के बाहर बनाए गए वीडियो में तृप्ति की एक सहेली कहती है कि वे विधानसभा अटेंड करने आई हैं। उसने कहा कि उन्होंने सोचा कि क्यों न अपना पहला ब्लॉग बनाया जाए। अंदर फोटो और वीडियो बनाने की अनुमति नहीं है, इसलिए बाहर ही शूट कर रहे हैं।

लोगों को फंसाने के लिए वीडियो बनाती थी तृप्ति

तृप्ति ऐसी जगहों पर जाकर लोगों को फंसाने के लिए और विश्वास दिलाने के लिए वीडियो बनाती थी, ताकि लोग आसानी से उसके जाल में फंस सके। पुलिस पता लगा रही है कि उसने कब से अपनी पहचान फर्जी अफसर के रूप में बना रखी थी। कितने लोगों से उसने ठगी की है।

नौ इंजीनियरों के बदले जोन

दो साल से नाला अधूरा, इंजीनियर हुए सस्पेंड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बारिश में जलभराव और अधूरे नाला निर्माण को लेकर नगर निगम ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। शिव नगर में स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम और रिटेनिंग वाल का काम निर्धारित अवधि निकलने के दो साल बाद भी पूरा हो सका। अधूरे नाला निर्माण के कारण 10 और 24 अगस्त को हुई अतिवृष्टि से सुंदर नगर और उड़िया बस्ती के घरों में पानी भर गया था। इससे लोगों को परेशानी हुई और निगम पर सवाल खड़े हो गए। निगम आयुक्त ने क्षेत्रों का निरीक्षण भी किया। अब इस पर बार-बार निर्देश के बाद भी लापरवाही बरतने वाले तत्कालीन कार्यपालन यंत्री (ईई) ब्रजेश कौशल को निलंबित कर दिया गया है। शिव नगर में स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम और रिटेनिंग वाल का निर्माण 10 मई 2023 से नौ मई 2024 तक पूरा किया जाना था।

इन इंजीनियरों के जोन बदले गए

हबीब उर रहमान को जोन 5 में, ज्योति मनकेले को जोन-4 और अनीता मेहर को जोन-3 में सहायक यंत्री सिविल बनाया। अम्बरीश सिंह दक्षिण-पश्चिम विस की विद्युत शाखा, पारस मीणा को जोन-18 और 19, अंकित पटेल को जोन-16, दीक्षा सूर्यवंशी को जोन-15, अदिति विश्वकर्मा को जोन-6 व 10, अतुल द्विवेदी को जोन-14 में उपयंत्री सिविल बनाया है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन के दफ्तर में हिन्दी के विस्तार पर कार्यक्रम

'हिन्दी अब वैश्विक भाषा, टूल-एआई काम कर रहे, दफ्तर के काम भी हिन्दी में करें'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजभाषा हिन्दी के विस्तार के लिए गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग एवं के वी एस मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देश पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय अरेरा हिल्स में हिन्दी माह कार्यक्रम हुआ। उपायुक्त शाहिदा परवीन ने इसकी शुरुआत की। परवीन ने कहा, सभी कर्मचारियों को पूरी तरह सभी काम हिन्दी में करना चाहिए। हिन्दी आज वैश्विक भाषा बन चुकी है। सभी ई टूल्स हिन्दी में उपलब्ध हैं। ऐसे में काम करना आसान हो गया है। सहायक

आयुक्त किरण मिश्रा, ने इस आयोजन के बारे में समझाया। वित्त अधिकारी व सलाहकार रजनीश सक्सेना ने इस दौरान होने वाले कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। राजभाषा प्रभारी संदीप नेमा ने भी संबोधन दिया।

स्पर्धाओं के सहारे विस्तार

राजभाषा प्रभारी व सहायक अनुभाग अधिकारी संदीप नेमा ने कहा, हिन्दी माह में निबंध, कविता-सुलेख,टिप्पणी व प्रारूपण लेखन प्रतियोगिता, कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता, अनुभागों की राजभाषा प्रदर्शनी प्रतियोगिताएं होंगी।

राजस्थान से गांजा लाकर भोपाल में बेचता था तस्कर, अब 10 साल जेल में रहेगा

भोपाल। गांजा की राजस्थान से तस्करी कर भोपाल लाकर बेचने वाले सोनू उर्फ सोनू तिवारी (32) पिता प्रशांत तिवारी को 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। वह उत्तरप्रदेश के सीतापुर का रहने वाला है। राजस्थान की विशेष्ज्ञ कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया है। बताते हैं, पुलिस को करोंद में कब्रिस्तान के पास दो व्यक्ति के खड़े होने की सूचना मिली थी। एसआई कुलदीप दुबे स्टाफ के घटनास्थल पर पहुंचकर अभियुक्तगण के पास रखे ट्राली बैग एवं बैग में 24 किलो 960 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया था। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एक को कोर्ट ने अब सजा सुनाई है। दूसरे आरोपी को फरार घोषित कर दिया गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

रेजिडेंट डॉक्टरों का पत्र वायरल

पत्र...एम्स में टॉक्सिक कल्चर प्रबंधन बोला-यह पत्र पुराना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में रेजिडेंट डॉक्टरों ने लंबे कार्य घंटों और कथित टॉक्सिक वर्क कल्चर को लेकर कार्यपालक निदेशक को पत्र भेजा है। यह पत्र वायरल हुआ है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के पत्र के अनुसार विभिन्न विभागों में कराए गए ड्यूटी-आवर सर्वे में डॉक्टरों ने औसतन 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करने की बात कही है, जबकि कुछ विभागों में यह कार्यभार 160 घंटे तक पहुंचने का दावा किया गया है। सर्वे में शामिल 47 रेजिडेंट्स में से 34 ने नियमित साप्ताहिक या पाक्षिक अवकाश नहीं मिलने की बात कही। पत्र में इमरजेंसी, नाइट ड्यूटी, एनेस्थिसियोलॉजी जैसे विभागों में 36 घंटे तक ड्यूटी करने के आरोप लगाए हैं। डिप्टी डायरेक्टर संदेश जैन का कहना है कि पत्र दो माह पुराना है। इसके बाद इसे विड्रॉ कर लिया गया था।

मेट्रो एंकर | पार्किंग में भी डिजिटल सुविधा, नकद भुगतान अब पूरी तरह प्रतिबंधित

शहर की दो मल्टीलेवल पार्किंग में फास्टैग सुविधा, न्यू मार्केट और एमपी नगर में यूपीआई से करना होगा भुगतान, ऐप से भी दे सकेंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की दो मल्टी लेवल पार्किंग में अब आप फॉस्टैग के जरिए भी शुल्क दे सकेंगे। इसके अलावा यूपीआई एवं मोबाइल ऐप आधारित डिजिटल पार्किंग व्यवस्था भी रहेगी। इसी साल 9 जुलाई से शहर की 5 मल्टी लेवल पार्किंग्स में कैशलेस पार्किंग की व्यवस्था प्रारंभ करते हुए पार्किंग शुल्क का नकद भुगतान पूर्णतः प्रतिबंधित किया जा चुका है। इससे लोगों को पार्किंग में ज्यादा आसानी होगी।

स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था के तहत पार्किंग स्थलों के प्रवेश द्वार पर

ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकगनेशन (एएनपीआर) कैमरा वाहन की नंबर प्लेट को स्वतः पहचानकर फॉस्टैग रीडर के माध्यम से वाहन के प्रवेश को डिजिटल रूप में दर्ज करता है।

इसके बाद पार्किंग रिकॉर्ड अपने आप ही जनरेट हो जाता है। इसी तरह वाहन के पार्किंग स्थल के बाहर निकलते समय एएनपीआर कैमरा और फॉस्टैग आधारित सिस्टम से वाहन की पहचान की जाती है और निर्धारित पार्किंग शुल्क फॉस्टैग के माध्यम से डिजिटली संधारित किया जाता है। यह भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर वाहन बिना आवश्यक मैन्यूअल पार्किंग से बाहर निकलते हैं।

नई व्यवस्था से क्या बदलेगा

नई व्यवस्था से पार्किंग स्थल पर आने वाले वाहन के प्रवेश एवं निकास की प्रक्रिया अधिक तेज और सुव्यवस्थित होती है और नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। पार्किंग स्थलों पर फॉस्टैग से भुगतान को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि किसी कारण से किसी वाहन में फॉस्ट टैग कार्य नहीं करता तो चालक के लिए क्यूआर कोड व यूपीआई से भुगतान की वैकल्पिक सुविधा भी है। उपरोक्त स्थितियों के अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर नकद भुगतान भी लोग कर सकेंगे।

खत्म होगा इंतजार

अभी पार्किंग में फास्टैग की सुविधा दिल्ली एयरपोर्ट, कश्मीरी गेट, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद एयरपोर्ट, गुरुग्राम, चेन्नई समेत देश के11 शहरों में ही है। अब भोपाल में इसकी शुरुआत हुई है। जानकारों की मानें तो इस सुविधा के शुरू होने से लोगों को कैश देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एंट्री-एग्जिट तेज होगी। गाड़ी खड़ी करने के लिए लाइन में लगने का इंतजार भी कम हो जाएगा।

'लिवस्पेस' के मामले में उपभोक्ता फोरम का फैसला

फर्नीचर कंपनी ने बुकिंग रद्द कर थमाया गिफ्ट वाउचर, कंपनी भरेगी 40 हजार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इंटीरियर डिजाइनिंग और मॉड्यूलर फर्नीचर बनाने वाली कंपनी 'लिवस्पेस' (लिवस्पेस इंडिया प्राली) को बुकिंग रद्द होने के बाद ग्राहक को रुपए न लौटाने की बजाय जबरन 'गिफ्ट वाउचर' थमाना महंगा पड़ा। उपभोक्ता फोरम क्रमांक -1 ने इसे सेवा में कमी मानते हुए कंपनी पर जुर्माना लगाया। कंपनी को अब ग्राहक को 25 हजार रुपए एडवांस की राशि 9 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाना पड़ेगा। मानसिक प्रताड़ना और केस खर्च भी 15 हजार रुपए देने होंगे। सलैया के प्रतीक सारस्वत ने घर की रिमॉडलिंग के लिए 25 जुलाई 2025 को नर्मदापुरम रोड स्थित लिवस्पेस के शोरूम में संपर्क किया था। शोरूम प्रतिनिधियों ने कहा, बुकिंग के 48 घंटे में ऑर्डर रद्द होने पर पूरी एडवांस राशि खाते में लौटा दी जाएगी। प्रतीक ने 25 हजार जमा कर दिए। लेकिन रेट और प्रोडक्ट पसंद न आने पर ग्राहक ने 12 घंटे में ही 26 जुलाई को बुकिंग रद्द कर दी। 12 अगस्त 2025 को कंपनी ने रुपए लौटाने के बजाय जबरन 25,000 रुपए के गिफ्ट वाउचर थमा दिए। आयोग अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल, सदस्य डॉ. संजीव सिंह और डॉ. प्रतिभा पाण्डेय की कंपनी का यह कृत्य 'सेवा में कमी' है।

नर्मदा जल का हर कतरा खेतों तक पहुंचाने की तैयारी

वर्ष 2031 तक प्रदेश करेगा अपने हिस्से के 18.25 एमएएफ पानी का पूरा उपयोग

47 साल बाद भी पूरी नहीं हुई नर्मदा जल आवंटन की तस्वीर, 20 हजार करोड़ से अधिक की 36 परियोजनाओं पर काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की जीवनरेखा कही जाने वाली नर्मदा नदी के पानी पर प्रदेश का अधिकार तय हुए करीब 47 साल बीत चुके हैं, लेकिन आवंटित हिस्से की हर बूंद का उपयोग अब भी चुनौती बना हुआ है। वर्ष 1979 में नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले के बाद मध्य प्रदेश को नर्मदा के 18.25 मिलियन एकड़-फीट (एमएएफ) पानी का हिस्सा मिला था। इसके मुकाबले अब तक करीब 10 एमएएफ पानी का ही उपयोग हो पा रहा है। अब राज्य सरकार ने शेष पानी को खेतों तक पहुंचाने के लिए परियोजनाओं की बड़ी श्रृंखला पर काम तेज कर दिया है। लक्ष्य वर्ष 2031 तक प्रदेश के हिस्से के पूरे पानी का उपयोग करना है।

न्यायाधिकरण ने चार राज्यों के बीच बांटा था 28 एमएएफ पानी- 12 दिसंबर 1979 को नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण का अंतिम फैसला केंद्र सरकार के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था। इसमें नर्मदा के कुल 28 एमएएफ उपयोग योग्य पानी का राज्यों के बीच बंटवारा किया गया। मध्य प्रदेश को सबसे बड़ा हिस्सा 18.25 एमएएफ मिला। गुजरात को 9 एमएएफ, राजस्थान को 0.50 एमएएफ और महाराष्ट्र को 0.25 एमएएफ पानी आवंटित किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा घाटी के पानी का उपयोग बढ़ाने के लिए अब सिंचाई परियोजनाओं के साथ माइक्रो लिफ्ट और ओपन चैनल योजनाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

अगले टेंडर दो-तीन महीनों में होंगे जारी

नर्मदा के आवंटित पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में करीब 40 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें 36 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनकी लागत 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। आठ और परियोजनाओं के टेंडर अगले एक-दो महीने में जारी किए जाने की तैयारी है। अधिकारियों के मुताबिक करीब 70 प्रतिशत परियोजनाओं में काम तेजी से चल रहा है। पाइपलाइन में शामिल कई परियोजनाओं में 60 से 70 प्रतिशत तक काम पूरा हो चुका है। नर्मदा घाटी से जुड़े अलग-अलग विभागों की करीब 150 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें अकेले नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) की 72 जल परियोजनाएं शामिल हैं। नर्मदा जल के उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं को चार प्रमुख जोन में बांटा गया है। इनमें अपर नर्मदा जोन, जबलपुर की रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना, सनावद की इंदिरा सागर परियोजना और निचली नर्मदा परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का जोर उन क्षेत्रों तक भी पानी पहुंचाने पर है, जहां अब तक सिंचाई सुविधाएं सीमित रही हैं। इसके लिए माइक्रो सिंचाई और ओपन चैनल परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। इंदौर के प्रशासनिक नियंत्रण वाले क्षेत्र में 53 माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं में से 24 पूरी हो चुकी हैं, जबकि 11 ओपन चैनल परियोजनाएं भी पूरी हो गई हैं। पांच माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं पर काम जारी है। इन योजनाओं के माध्यम से करीब 31.75 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा देने का लक्ष्य रखा गया है।

पांच बड़ी परियोजनाओं से बढ़ेगी सिंचाई क्षमता

नर्मदा घाटी में कई बड़ी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें करीब 7,500 करोड़ रुपये की अपर नर्मदा बहुउद्देश्यीय परियोजना से 1.05 लाख हेक्टेयर, 5,300 करोड़ रुपये की राघवपुर परियोजना से 68 हजार हेक्टेयर और 3,900 करोड़ रुपये की बसानिया परियोजना से 47 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने का प्रस्ताव है। इसी तरह करीब 1,500 करोड़ रुपये की मां रेवा माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 45 हजार हेक्टेयर और 1,250 करोड़ रुपये की धार माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 38 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित करने का लक्ष्य है।

2024-25 में नौ परियोजनाओं पर 11,645 करोड़ का निवेश

नर्मदा कछार में वर्ष 2024-25 के दौरान नौ नई परियोजनाओं पर करीब 11,645 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इनसे 3.51 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। बहेरीबंद, शहीद ईलाप सिंह, सोनडवा, निवाली, महेश्वर-जानापाव, संधवा, धार, मां रेवा और वड़ादेव संयुक्त उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं इसमें शामिल हैं।

2031 तक पूरा उपयोग करने का लक्ष्य

एनवीडीए के सदस्य इंजीनियर धन्नालाल वर्मा के अनुसार नर्मदा से जुड़ी करीब 40 परियोजनाओं पर काम चल रहा है और आठ परियोजनाओं के टेंडर जल्द जारी किए जाएंगे। उनका कहना है कि यदि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कोई बड़ी बाधा नहीं आई तो वर्ष 2031 तक मध्य प्रदेश अपने हिस्से के 18.25 एमएएफ पानी का पूरा उपयोग करने की स्थिति में आ जाएगा। फिलहाल किसी अन्य राज्य की ओर से इस संबंध में कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई है।

सीहोर से बदलेगी मप्र की औद्योगिक तस्वीर!

सीएम मोहन कल करेंगे देश के सबसे बड़े हाई वोल्टेज पावर हब का शुभारंभ, हजारों को मिलेगा काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 सितंबर को सीहोर में एक बड़ी परियोजना की शुरुआत करेंगे। मुख्यमंत्री सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड की नई पावर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई से तैयार होने वाले पहले ट्रांसफॉर्मर के रोल-आउट का शुभारंभ करेंगे। करीब 50 एकड़ में विकसित यह संयंत्र एक ही स्थान पर स्थापित देश की सबसे बड़ी पावर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधाओं में शामिल है। इस परियोजना की रफ्तार को राज्य में निवेश को जमीन पर उतारने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अगस्त 2025 में संयंत्र का भूमि-पूजन किया था। इसके करीब 13 से 14 महीने के भीतर यहां उत्पादन शुरू हो गया है। सरकार का जोर बड़े निवेश प्रस्तावों को जल्द से जल्द वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में बदलने पर है।

सीहोर की इस आधुनिक इकाई में 220 केवी से लेकर 1200 केवी श्रेणी तक के उच्च क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर तैयार किए जाएंगे। संयंत्र की उत्पादन क्षमता हर महीने करीब 35 पावर ट्रांसफॉर्मर बनाने की होगी।

डेटा केंद्र से रेलवे और नवीकरणीय ऊर्जा तक होगा इस्तेमाल

सीहोर में तैयार होने वाले उच्च क्षमता के ट्रांसफॉर्मर केवल देश के अलग-अलग हिस्सों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वैश्विक बाजारों तक भी पहुंचेंगे। इनका उपयोग विद्युत क्षेत्र के अलावा डेटा केंद्र, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा विद्युत पारेषण से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं में किया जाएगा। परियोजना का सबसे बड़ा स्थानीय प्रभाव रोजगार के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। सीजी की इस इकाई से सीहोर में 2000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। इसके साथ ही संयंत्र से जुड़े परिवहन, आपूर्ति, रखरखाव और अन्य सहायक कारोबारों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

मप्र की औद्योगिक पहचान को मिलेगी नई ताकत

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में करीब नौ दशकों से काम कर रही है। कंपनी ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, इंडक्शन मोटर, ड्राइव, ट्रैक्शन मोटर समेत कई विद्युत उपकरणों का निर्माण करती है। सीहोर की नई इकाई कंपनी की पावर ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षमता को बड़े स्तर पर बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार निवेश को धरातल पर उतारने और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने पर जोर दे रही है। सीहोर में शुरू होने वाली यह परियोजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

413 निकायों का जीआईएस डेटा तैयार करने वाला मप्र पहला राज्य

गरुड़ बताएगा बाढ़ आई तो कितने घर डूबेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी 413 नगरीय निकायों के हर घर और शहरी व्यवस्थाओं का जीआईएस डेटा तैयार किया गया है। 'गरुड़ एमपी' (GARUD MP) सिस्टम के जरिए अब बाढ़ आने से पहले ही संभावित खतरे का पता लगाया जा सकेगा। इंदौर, भोपाल समेत सभी छोटे-बड़े शहरों में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने पर प्रभावित होने वाले इलाकों, घरों और आबादी का पहले ही नक्शा तैयार किया जाएगा। इससे राहत और बचाव की तैयारी समय रहते की जा सकेगी।

गरुड़ ऐप में अलग-अलग जलस्तर के आधार पर सिमुलेशन की सुविधा विकसित की गई है। पानी तय स्तर से ऊपर बढ़ने पर सिस्टम नक्शे पर बता सकेगा कि कौन सा वार्ड प्रभावित होगा, कितने घर और संपत्तियां पानी की चपेट में आ सकती हैं और कितनी आबादी प्रभावित होगी। इसके साथ ही संभावित बाढ़ की चपेट में आने वाले स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाओं की भी पहचान की जा सकेगी। इससे प्रशासन राहत और बचाव की तैयारी पहले से कर सकेगा।

413 निकायों का डेटा एक सिस्टम में- मध्यप्रदेश ने सभी 413 नगरीय निकायों के भौगोलिक आंकड़ों को एक ही सिस्टम में जोड़ा है। इसमें इंदौर, भोपाल समेत बड़े शहरों और छोटे कस्बों के घरों के साथ सड़क, पानी की पाइपलाइन, सीवरेज, जलाशय और जमीन के उपयोग से जुड़ी जानकारी शामिल है। इस डेटा के जरिए किसी इलाके को उसके वास्तविक स्थान और आसपास की शहरी व्यवस्थाओं के साथ देखा जा सकेगा।

टैक्स और अवैध निर्माण की भी निगरानी

गरुड़ का इस्तेमाल सिर्फ बाढ़ प्रबंधन के लिए नहीं होगा। इसके जरिए संपत्ति कर की वसूली, अवैध निर्माण, मास्टर प्लान के उल्लंघन, पानी और सीवरेज की पाइपलाइन की निगरानी तथा झुग्गी बस्तियों के सर्वे का काम भी किया जाएगा। सरकारी जमीनों के रखरखाव, शहर में वृक्षारोपण और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा को भी इसी GIS मैप से जोड़ा गया है।

मध्यप्रदेश में स्कूलों पर बड़ा संकट

देश में बंद या मर्ज हुए आधे से ज्यादा स्कूल अकेले प्रदेश में

- 2025-26 में देशभर के 4,791 स्कूल बंद या विलय
- मध्य प्रदेश में 2,426 पर लगा ताला
- बढ़ते शिक्षा बजट के बीच उठे गंभीर सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को लेकर चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में बंद या दूसरे संस्थानों में विलय किए गए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में आधे से ज्यादा स्कूल अकेले मध्य प्रदेश के हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई प्लस आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में देशभर में कुल 4,791 सरकारी और निजी स्कूल बंद या विलय किए गए, जिनमें 2,426 स्कूल मध्य प्रदेश के हैं।

यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब प्रदेश के स्कूल शिक्षा बजट में पिछले तीन वर्षों के दौरान करीब 9,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2022-23 में स्कूल शिक्षा का बजट करीब 27,700 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 36,730 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में स्कूलों का बंद या विलय होना शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

कम छात्र संख्या और जर्जर भवन बड़ी वजह

यूडीआईएसई प्लस की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच देशभर में स्कूलों की कुल संख्या 14.71 लाख से घटकर 14.66 लाख रह गई। कम छात्र संख्या और उपलब्ध संसाधनों के समायोजन को स्कूलों के विलय की प्रमुख वजह माना गया है। मध्य प्रदेश में कई स्कूलों की स्थिति खराब भवनों के कारण भी चिंताजनक है। जर्जर और अस्थायी भवनों में पढ़ाई करना बच्चों और शिक्षकों दोनों के लिए चुनौती बना हुआ है। बारिश के दौरान भवनों को नुकसान पहुंचने पर कई बच्चों को दूसरे स्कूलों में पढ़ने के लिए दूर जाना पड़ता है।

सबसे ज्यादा असर छात्राओं पर पड़ने का खतरा

स्कूलों के बंद होने या दूर स्थित विद्यालयों में विलय का सबसे गंभीर असर ग्रामीण और कम आय वाले परिवारों के बच्चों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी दूरी, आने-जाने की परेशानी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण विशेष रूप से छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि केवल स्कूलों का प्रशासनिक विलय समस्या का समाधान नहीं है। सरकार को नए और मजबूत स्कूल भवन बनाने, सुरक्षित रास्ते उपलब्ध कराने और पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था पर भी ध्यान देना चाहिए।

बढ़ते आंकड़े ने बढ़ाई चिंता शिक्षा बजट बढ़ने के बावजूद स्कूलों की संख्या में कमी और बड़ी संख्या में विद्यालयों का बंद होना सरकार के सामने गंभीर चुनौती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बुनियादी ढांचे और छात्र संख्या से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में स्कूल बंद होने का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास अधीक्षक निलंबित

भोपाल। अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास, इंदरगढ़ ज़िला दतिया के अधीक्षक डॉ. डी.आर. राहुल को अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. साथ ही छात्रावास की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। तहसीलदार इंदरगढ़ द्वारा अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास, इंदरगढ़ का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण उपरांत दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर दतिया श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा आदेश जारी कर श्री डीआर राहुल अधीक्षक को म.प्र. सिविल सेवा अपील, नियंत्रण एवं वर्गीकरण नियम-1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

राजनीति में एंट्री को तैयार पूर्व आईएएस का विवादित ट्वीट, नियाज बोले

चुनाव लड़ने वालों को गंगाजल-कुरान व बच्चों की कसम खिलाएं, वीडियो भी बनाएं ताकि बदलें नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रिटायरमेंट के बाद राजनीति में एंट्री की कोशिश कर रहे पूर्व आईएएस अधिकारी और नॉवेलिस्ट नियाज खान ने चुनाव लड़ने वालों को लेकर विवादित सुझाव दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उम्मीदवारों को चुनाव से पहले धर्म के आधार पर शपथ दिलाई जानी चाहिए और उसका वीडियो भी बनाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि चुनाव जीतने के बाद यदि कोई नेता बिके या लालच में आए तो शपथ का वीडियो सार्वजनिक किया जा सके।

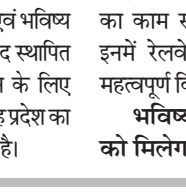

नियाज खान ने बुधवार को किए पोस्ट में लिखा कि चुनाव लड़ने वालों को टिकट देने से पहले लिखित शपथ ली जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदू उम्मीदवारों को गंगाजल और बच्चों की, जबकि मुस्लिम उम्मीदवारों को कुरान और बच्चों की शपथ दिलाई जाए। उनका तर्क है कि इससे नेता चुनाव जीतने के बाद बिकेंगे नहीं और लालच में नहीं आएंगे। उन्होंने शपथ की वीडियो रिकॉर्डिंग कराने की बात भी कही, ताकि बाद में किसी नेता पर बिकने का आरोप लगे तो वीडियो जारी किया जा सके।

ब्राह्मण और क्षत्रियों को बताया अहंकारी

नियाज खान ने 1 सितंबर को भी राजनीति को लेकर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा कि लोकतंत्र में ब्राह्मणों और क्षत्रियों के पास अहंकार के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने उनकी राजनीतिक हैसियत पर सवाल उठाते हुए लिखा कि उनके पास न वोट की ताकत है और न कोई अहमियत। पूर्व आईएएस अधिकारी पहले भी राजनीति में आने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। पिछले महीने किए एक पोस्ट में उन्होंने दावा किया था कि भाजपा और कांग्रेस उन्हें एंट्री नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यहां तक लिखा था कि भविष्य में चुनावी मैदान में उतरने की स्थिति में वे कॉकरोच जनता पार्टी जॉइन कर सकते हैं।

राहुल गांधी के कार्यक्रम छात्रों की गूंज की तारीख में बदलाव

इंदौर में अब 19 सितंबर को होगा कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम छात्रों की गूंज की तारीख बदलकर 19 सितंबर की गई है। जानकारी के मुताबिक नेहरू स्टेडियम नहीं मिलने की वजह से कांग्रेस ने कार्यक्रम की तारीख बदलने का फैसला किया है। पहले यह कार्यक्रम 12 सितंबर को होने वाला था। कांग्रेस यह आयोजन नेहरू स्टेडियम में करना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार दो सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर स्टेडियम उपलब्ध कराने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम या सभा नहीं है। इसमें विद्यार्थियों और युवाओं के साथ सीधा संवाद होगा। कार्यक्रम में शिक्षा, युवाओं के अधिकार, रोजगार, अवसर और भविष्य से जुड़े मुद्दों को चर्चा होगी। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के रूप में युवाओं और विद्यार्थियों से जुड़े विषयों को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। 'छात्रों की गूंज' का उद्देश्य भी विद्यार्थियों को अपनी बात रखने का मंच देना और शिक्षा एवं भविष्य से जुड़े सवालों पर खुला संवाद स्थापित करना है। इंदौर को आयोजन के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि यह प्रदेश का प्रमुख शैक्षणिक और युवा केंद्र है।

मेट्रो एंकर | **भारी बारिश भी नहीं रोक पाई विकास की रफ्तार**

एमपी ट्रांसको ने अगस्त में बिछाईं 136 सर्किट किमी नई विद्युत लाइनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगस्त माह के दौरान लगातार हुई भारी बारिश और चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने विद्युत पारेषण नेटवर्क के विस्तार में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त में कुल 135.90 सर्किट किलोमीटर लंबाई की 132 केवी की छह महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और सेकंड सर्किट का काम सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें रेलवे के लिए तैयार की गई महत्वपूर्ण विद्युत लाइन भी शामिल है।

भविष्य की बिजली जरूरतों को मिलेगा मजबूत आधार- ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के अभियंताओं और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था को अधिक मजबूत, विश्वसनीय और सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बारिश के बावजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिस समर्पण और दक्षता से कार्य किया, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इन ट्रांसमिशन लाइनों के पूरा होने से विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही भविष्य में बढ़ने वाली विद्युत मांग को पूरा करने के लिए पारेषण तंत्र को अतिरिक्त क्षमता मिलेगी।

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता के.एम. सिंघल ने बताया कि अगस्त में 132 केवी डबल सर्किट सिंगल स्ट्रिंग आलोट-ताल ट्रांसमिशन लाइन के सेकंड सर्किट का 19.56 सर्किट किलोमीटर कार्य पूरा किया गया। इसी तरह गंज बासौदा-सहरवासा लाइन के सेकंड सर्किट का 28.92 सर्किट किलोमीटर और कैमोर-बरही लाइन के सेकंड सर्किट का 32.40 सर्किट किलोमीटर कार्य पूर्ण किया गया।

लंबे समय से अटकी रेलवे लाइन भी हुई तैयार

सिंघल ने बताया कि 132 केवी सब स्टेशन सनावद से आरटीएस निमारखेड़ी तक 15.90 सर्किट किलोमीटर लंबी 132 केवी डबल फेज डबल वायर रेलवे ट्रैक्शन लाइन का निर्माण लंबे समय से निर्माण संबंधी चुनौतियों के कारण लंबित था। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एमपी ट्रांसको ने भारी बारिश के बीच इस चुनौतीपूर्ण कार्य को भी पूरा कर लिया। इसके अलावा बिलकिसगंज-मुगालिया छाप लाइन के सेकंड सर्किट का 17.27 सर्किट किलोमीटर तथा रतनगढ़-सिंगोली लाइन के सेकंड सर्किट का 21.85 सर्किट किलोमीटर निर्माण कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

अर्थव्यवस्था का दबाव

सोना भारतीय घरों में सिर्फ एक धातु नहीं है। यह बचत है, सुरक्षा है, परंपरा है और कई बार परिवार की प्रतिष्ठा का मौन प्रतीक भी। बेटी की शादी से लेकर बुरे वक्त की जरूरत तक, पीढ़ियों ने सोने को अपनी आर्थिक ढाल की तरह संभाला है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बार-बार यह कहना कि जब तक जरूरी न हो, सोना खरीदने से बचें सिर्फ बाजार के लिए दिया गया संदेश नहीं है। इसके पीछे देश की अर्थव्यवस्था की एक गंभीर चिंता छिपी है। एक सितंबर को प्रधानमंत्री ने एक बार फिर गैर-जरूरी सोने की खरीद से बचने और स्वदेशी व आत्मनिर्भरता पर जोर देने की अपील की। यह अपील उस समय आई है जब देश त्योहारों और फिर शादी-ब्याह के मौसम में प्रवेश कर रहा है। यही वह समय होता है जब आभूषण बाजार में सबसे अधिक रौनक दिखाई देती है। इसलिए सरकार की चिंता और बाजार की बेचैनी, दोनों को एक साथ समझना होगा। भारत सोने का बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन घरेलू उत्पादन उसकी जरूरत के सामने बहुत छोटा है। नतीजा यह कि मांग पूरी करने के लिए भारी मात्रा में सोना आयात करना पड़ता है। वित्त वर्ष 2026 में सोने का आयात 71.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने का आंकड़ा बताता है कि हमारी सोने की भूख केवल घरों की तिजोरियों तक सीमित नहीं, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा खाते तक पहुंचती है। सोने का आयात बढ़ता है तो डॉलर की मांग बढ़ती है। डॉलर की मांग बढ़े तो रुपये पर दबाव आता है। व्यापार घाटा बढ़ता है तो अर्थव्यवस्था की चुनौतियां और गहरी होती हैं। इसलिए सोने की खरीद पर संयम की अपील को केवल एक घरेलू सलाह मानना तस्वीर का अधूरा हिस्सा होगा। बड़े ब्रांडों से लेकर छोटे शहरों के सराफा कारोबारियों और आभूषण बनाने वाले कारीगरों तक, हजारों परिवार इस कारोबार से जुड़े हैं। मांग में अचानक कमी आई तो उसका असर शेयर बाजार से निकलकर स्थानीय बाजार की दुकानों तक पहुंच सकता है। इसलिए रास्ता सोने के खिलाफ माहौल बनाने का नहीं, बल्कि सोने के समझदार इस्तेमाल का होना चाहिए। घरों में पड़ा पुराना सोना दोबारा अर्थव्यवस्था में आए, रीसाइक्लिंग बढ़े और जरूरत पड़ने पर उसे आर्थिक संसाधन की तरह इस्तेमाल किया जाए-यह ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। भारतीय परिवारों के लिए सोना छोड़ना आसान नहीं होगा, और शायद इसकी जरूरत भी नहीं है।

7.8 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ व्यापक और टिकाऊ समृद्धि ही उसकी असली कसौटी

एन. के. त्रिपाठी
पूर्व पुलिस महानिदेशक

बीते रविवार 30 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिका द इकोनॉमिस्ट में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक टिप्पणी पढ़ी। उसमें अनुमान लगाया गया था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि लगभग 7.2 प्रतिशत रह सकती है। अगले दिन वास्तविक आंकड़ों की घोषणा हुई और तस्वीर अनुमान से कहीं बेहतर निकली। पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा निश्चित रूप से उत्साहजनक है और बताता है कि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती बनाए रखी है।

यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस अवधि में वैश्विक अर्थव्यवस्था कई तरह की अनिश्चितताओं से गुजर रही थी। पश्चिम एशिया में तनाव, ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता, आपूर्ति-श्रृंखला संबंधी जोखिम और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ता संरक्षणवाद जैसी चुनौतियां भारत सहित दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डाल रही थीं। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की गति बनी रही। आंकड़ों में कुछ और सकारात्मक संकेत भी दिखाई देते हैं। पहली तिमाही में पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह निवेश गतिविधियों में मजबूती का संकेत है। लंबे समय तक सुस्ती के बाद निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में भी सुधार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। इसी तरह कुल निर्यात में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि भी अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक संकेत है। उपभोग के मोर्चे पर भी तस्वीर बेहतर हुई है। कर व्यवस्था को सरल बनाने और आयकर तथा जीएसटी में किए गए बदलावों से उपभोक्ता गतिविधियों को सहारा मिला है। निजी उपभोग में वृद्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था में घरेलू मांग आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार है। लेकिन इन सकारात्मक संकेतों के बीच चुनौतियों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा।

कच्चे तेल और उर्वरकों की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ाव का असर महंगाई पर पड़ सकता है। रोजगार की स्थिति भी अभी चिंता का विषय है। केवल जीडीपी की तेज वृद्धि पर्याप्त नहीं है; आर्थिक विकास का वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि उससे कितने नए और बेहतर रोजगार पैदा होते हैं, आम लोगों की आय कितनी बढ़ती है और जीवन स्तर में कितना सुधार आता है। वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर भी परिस्थितियां आसान नहीं हैं। अमेरिका सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ और व्यापार संबंधी मतभेद भारतीय निर्यात के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। ऐसे समय में भारत को अपने निर्यात बाजारों का विस्तार करने के साथ-साथ घरेलू विनिर्माण और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करना होगा। भारत के सामने अवसर भी उतना ही बड़ा है। तेज आर्थिक वृद्धि ने देश को एक मजबूत आधार दिया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस गति को लंबे समय तक कायम रखा जाए और इसे व्यापक आर्थिक समृद्धि में बदला जाए।

सके लिए सरकार को संरचनात्मक सुधारों की गति तेज करनी होगी। नौकरशाही की जड़ता को कम करना, कारोबार करने की प्रक्रिया को सरल बनाना, निजी निवेश को प्रोत्साहित करना, बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना और रोजगार सृजन को आर्थिक नीति के केंद्र में रखना समय की मांग है। सुधारों के रास्ते में कठिन निर्णय भी लेने पड़ेंगे। लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए विकास की अगली छलांग बिना साहसिक सुधारों के संभव नहीं होती।

7.8 प्रतिशत की वृद्धि इसलिए केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन दिखाने वाली क्षमता का प्रमाण है। अब चुनौती यह है कि इस गति को टिकाऊ बनाया जाए और इसका लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचे। भारत ने बाहरी झटकों के बीच अपनी आर्थिक मजबूती साबित की है। यदि निवेश, निर्यात और घरेलू उपभोग की गति बनी रहती है और इसके साथ व्यापक आर्थिक सुधार आगे बढ़ते हैं, तो वर्तमान का यह अनुकूल दौर भारत के लिए दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला बन सकता है। तेज वृद्धि उत्साह का कारण है; लेकिन व्यापक और टिकाऊ समृद्धि ही उसकी असली कसौटी होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

ऐसे संवेदनशील शिक्षक ही बदल सकते हैं हमारे स्कूल और शिक्षा की तस्वीर

कुमार कृष्णन
स्तम्भकार

किसी सरकारी स्कूल की तस्वीर बदलने के लिए हमेशा नई इमारत, स्मार्ट कक्षा या बड़े बजट की जरूरत नहीं होती। कई बार बदलाव एक शिक्षक के मन में उठे एक छोटे-से सवाल से शुरू होता है- आज बच्चा स्कूल क्यों नहीं आया? और कभी सवाल यह होता है -बच्चा जो पढ़ रहा है, क्या वह उसे सचमुच समझ भी रहा है?

बिहार के दो सरकारी स्कूलों में इन दो सवालों के जवाब तलाशती दो शिक्षिकाओं की यात्राएं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार तक पहुंची हैं। बांका के कटोरिया क्षेत्र के राधानगर की खुशबू कुमारी और गोपालगंज के कुचायकोट की पुष्पा प्रसाद। पांच सितंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति दोनों शिक्षिकाओं को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित करेंगी। बिहार से इस वर्ष चुने गए 48 शिक्षकों में ये दोनों शामिल हैं। इस सम्मान को केवल दो शिक्षिकाओं की व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में देखना उनके काम के व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। इनके पीछे बिहार के उन सरकारी विद्यालयों की कहानी है, जहां संसाधन सीमित हो सकते हैं, मगर शिक्षक की कल्पना, संवेदना और काम करने की इच्छा सीमित नहीं होती।

27 जुलाई 2025 को जब खुशबू कुमारी उर्दू प्राथमिक विद्यालय, बिदायदिह की प्रधान शिक्षिका बनकर पहुंचीं, तो उनके सामने स्वागत से ज्यादा चेतावनियां थीं। स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने विद्यालय की कठिनाइयों के बारे में बताया। उन्हें यह भी कहा गया कि एक महिला शिक्षिका के लिए परिस्थितियां आसान नहीं होंगी। आसपास के लोगों को लेकर सावधान रहने की सलाह दी गई। ऐसी स्थिति किसी को भी अपने फैसले पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर सकती थी। लेकिन खुशबू ने चेतावनियों को पीछे हटने का कारण नहीं बनाया। उन्होंने उन्हें चुनौती की तरह लिया। उनके लिए कठिन परिस्थितियां वही जगह थीं, जहां शिक्षक की असली परीक्षा होती है।

करीब एक साल बाद वही विद्यालय उनकी पहचान बन गया। -शिक्षा के क्षेत्र में तेरह वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली खुशबू इससे पहले मध्य विद्यालय कठौन में भी सेवाएं दे चुकी हैं। उनके लिए अध्यापन का अर्थ किताब का पाठ पूरा कर देना नहीं है। कक्षा उनके लिए संवाद की जगह है, जहां बच्चा केवल सुनता नहीं, भाग लेता है। खेल, गतिविधि, गीत-संगीत, अभिनय और रोल-प्ले जैसे तरीकों के जरिए उन्होंने पढ़ाई को बच्चों के लिए सहज और रुचिकर बनाने की कोशिश की। बच्चों की सुरक्षा से जुड़े 'गुड टच-बैड टच' जैसे विषयों पर बनाए गए उनके वीडियो भी चर्चा में रहे हैं। लेकिन किसी शिक्षक की असली परीक्षा सोशल मीडिया की लोकप्रियता में नहीं, उस बच्चे की आंखों में होती है जो रोज स्कूल आने लगा हो।

जब खुशबू ने विद्यालय की जिम्मेदारी संभाली, तब बच्चों की उपस्थिति बड़ी चुनौती थी। कई बार यह चालीस से पचास प्रतिशत के आसपास रहती थी। पूरी यूनिफॉर्म में आने वाले बच्चों की संख्या भी कम थी। अनुशासन की समस्या थी और अभिभावकों की भागीदारी अपेक्षित स्तर पर नहीं थी। बच्चों के बीच विवाद होते और कई बार उसका असर परिवारों तक पहुंचता।

सवाल था कि इस स्थिति को कैसे बदला जाए? : खुशबू ने समस्या का जवाब बच्चों को और अधिक अनुशासित करने में नहीं, बल्कि विद्यालय और परिवार के बीच संबंध मजबूत करने में खोजा। शिक्षकों और विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों के साथ बैठकर उन्होंने परिस्थितियों को समझा। फिर अभिभावकों को विद्यालय से जोड़ने पर जोर दिया।

अभिभावक-शिक्षक बैठक को महज औपचारिकता न मानकर संवाद का माध्यम बनाया गया। बच्चों से कहा गया कि शिक्षक उनके भविष्य के लिए मेहनत करेंगे, लेकिन परिवार का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। बच्चों से पूछा गया कि वे अपने माता-पिता को विद्यालय लेकर आएंगे? जवाब उत्साह से मिला—हां। धीरे-धीरे अभिभावक विद्यालय आने लगे। बातचीत शुरू हुई। परिवारों ने देखा कि दूसरे क्षेत्र से आई एक शिक्षिका उनके बच्चों की शिक्षा को लेकर गंभीर है। भरोसा बना तो दूरी कम होने लगी। इसका असर विद्यालय पर दिखाई देने लगा। बच्चों की उपस्थिति बढ़कर करीब नब्बे प्रतिशत तक पहुंच गई। पूरी यूनिफॉर्म में आने वाले बच्चों की संख्या सौ प्रतिशत तक पहुंची। जूते, टाई और बेल्ट शिक्षा की गुणवत्ता के अंतिम पैमाने नहीं हैं, लेकिन वे विद्यालय के प्रति बच्चे और परिवार के बढ़ते जुड़ाव के संकेत जरूर हैं। खुशबू के काम की बुनियाद बच्चों के प्रति उनका आत्मीय लगाव है। उनके लिए बच्चे केवल नाम और रोल नंबर नहीं हैं। वे उन्हें अपने बच्चों जैसा मानती हैं। इसलिए किसी बच्चे की अनुपस्थिति उनके लिए रजिस्टर में खाली जगह नहीं, एक सवाल है।

वह बच्चा क्यों नहीं आया? क्या वह पढ़ाई से दूर हो रहा है? घर में कोई परेशानी है? क्या उसे किसी मदद की जरूरत है?

यहीं शिक्षक की भूमिका पाठ पढ़ाने वाले व्यक्ति से आगे बढ़कर बच्चे के जीवन से जुड़ने वाले व्यक्ति की हो जाती है। अनुपस्थिति आंकड़ा नहीं रहती, एक कहानी बन जाती है। और उस कहानी तक पहुंचना शिक्षक की जिम्मेदारी। गोपालगंज की राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, कुचायकोट की शिक्षिका पुष्पा प्रसाद की यात्रा भी इसी जिम्मेदारी से शुरू होती है, हालांकि उनकी राह अलग है। शिक्षण के शुरुआती दौर में उन्होंने बच्चों को जमीन पर बोरा बिछाकर पढ़ते देखा। यह दृश्य संसाधनों की कमी का था, लेकिन पुष्पा ने इसे निराशा की तरह नहीं देखा। उनके सामने सवाल था कि ऐसी परिस्थितियों में भी बच्चों के भीतर सीखने की इच्छा कैसे बची रहे। उन्होंने अभिभावकों को विद्यालय से जोड़ना महत्वपूर्ण माना। नियमित अभिभावक-शिक्षक बैठकों के जरिए परिवारों से संवाद बढ़ाया। उनका विश्वास है कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है। मां शिक्षित और जागरूक होगी तो उसका प्रभाव परिवार पर पड़ेगा और शिक्षित परिवार समाज को आगे ले जाएगा।

दूसरी ओर, सीमित संसाधनों के बीच भी यदि शिक्षक बच्चों को समझने और उनके लिए नए रास्ते खोजने की कोशिश करे तो वही साधारण-सी कक्षा बदलाव की शुरुआत बन सकती है।

बांका के लिए खुशबू कुमारी का चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 2019 के बाद करीब सात वर्ष के अंतराल में जिले से किसी शिक्षिका का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन हुआ है। उनका सम्मान उन शिक्षकों के लिए भी उत्साह का अवसर है, जो सीमित परिस्थितियों में सरकारी विद्यालयों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पांच सितंबर को जब दोनों शिक्षिकाएं राष्ट्रपति से सम्मान ग्रहण करेंगी, तब उस मंच पर केवल दो नाम नहीं होंगे। उनके साथ वे बच्चे होंगे जो पहले स्कूल से दूर रहते थे और अब नियमित आने लगे। वे बच्चे होंगे जिनके लिए पढ़ाई अब केवल किताब का बोझ नहीं रही। वे अभिभावक होंगे जिन्होंने स्कूल को सरकारी दफ्तर नहीं, अपने बच्चों के भविष्य की जगह समझना शुरू किया। उनके साथ वे सहकर्मी भी होंगे जिन्होंने बदलाव की प्रक्रिया में साथ दिया।

बदलाव हमेशा घोषणाओं से नहीं आता। वह धीरे-धीरे बनता है—विश्वास से, संवाद से और लगातार किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से।

खुशबू ने चुनौतीपूर्ण वातावरण में भरोसा पैदा किया। पुष्पा ने सीमित संसाधनों में प्रयोग की राह खोजी। दोनों ने अपने-अपने तरीके से यह साबित किया कि शिक्षक यदि बच्चे को आंकड़ा नहीं, एक जीवंत मनुष्य समझे तो कक्षा केवल पढ़ाई की जगह नहीं रहती; वह बदलाव की प्रयोगशाला बन जाती है।

शिक्षा में परिवर्तन हमेशा ऊपर से नहीं आता। कई बार वह किसी छोटे सरकारी विद्यालय की साधारण-सी कक्षा से शुरू होता है। एक शिक्षक की संवेदना, एक बच्चे की जिज्ञासा और एक अभिभावक की भागीदारी मिलकर उस परिवर्तन को जन्म देती है, जिसका असर एक पूरी पीढ़ी पर पड़ सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

एक सुखद जीवन के लिए मस्तिष्क में सत्यता होठों पर प्रसन्नता और हृदय में पवित्रता जरूरी है।
-अज्ञात

निशाना

घर- घर की तस्वीर यही..!

जय श्री ठाकुर

अजब-गज़ब यह स्मार्टफ़ोन की माया भारी,
मिली सैंतालीस में आज़ादी, फिर भी ग़ुलामी जारी,
पति चिल्लाए -जल्दी लाओ खाना बात बढ़ाओ ना,
वेब सीरीज निपटाना है, दिमाग़ अब खाओ ना,
पत्नी बोली-ज़रा ठहरो, बताओ कैसी लग रही हूँ मैं?
किटी पार्टी में आज वायरल रील बनाकर ही मानूँगी मैं,
कोने में मुन्ना बैठा अब ताने खूब जमाता है,
दूध-भात की चाह नहीं, बस आँखें गड़ाए जाता है,
पापा ताकें राखी सावंत, मम्मी सीरियल पर इतराए,
ममता, प्यार सब उड़ गया, बच्चा भूखा ही सो जाए,
लाओ इधर मोबाइल मेरा, अब गेम का शोर मचाऊँगा,
हाथ न आया फ़ोन अगर, तो बिना खाए सो जाऊँगा,
घर के बुजुर्गों का भी अब, छूटा नियम-ठिकाना है,
बीपी की गोली भूल गए भूले वक़्त पे खाना है,
लगे डाँटने बेटे को -सुन, पहले कर सुनवाई,
डेटा ख़त्म हुआ मेरा, पहले रिचार्ज करा भाई,
वीडियो पर वीडियो बनाते जाते जब
मिलकर बैठते नाना-नानी,
गाते हैं गाना- चोरों का राजा, तू रूप की रानी,
घर-घर की तस्वीर यही, बस स्क्रीन की पहरेदारी है,
रिश्ते-नाते, संस्कार छूटे, छूटी दुनियादारी है।
अपनों के ही बीच आज तो, खिंची दीवारें भारी हैं।

हेल्थ अपडेट

लगातार सीलन वाले घर में रहने से हो सकती है सांसों की समस्या

अगर आपके घर के किसी भी कोने में सीलन या फफूंद लगी है तो उसे तुरंत ठीक कर लीजिए, क्योंकि यह स्थिति आपके शरीर के लिए असहनीय अत्याचार से कम नहीं है। शारदाकेयर-हेल्थसिटी के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर अविनाश कुमार के मुताबिक, सीलन और फफूंद वाले घर में रहने वाले लोग लंबे समय तक फफूंद के कणों के संपर्क में रहते हैं, जिससे कई तरह की रेस्पिरेटरी हेल्थ प्रोब्लम्स हो सकती हैं। हवा में मौजूद इन कणों के संपर्क में आने वाले अंगों में मुंह और नाक सबसे आम हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि ऐसे फफूंद के संपर्क में आने वाले हर मरीज को फंगल इंफेक्शन हो ही।

डॉक्टर का कहना है कि फफूंद (मोल्ड) से होने वाली एलर्जी या इंफ्लामेशन और साइनस के फंगल इंफेक्शन के बीच आपको अंतर करना आना चाहिए। आमतौर पर मोल्ड, इंफेक्शन की जगह एलर्जी विकसित करके परेशान करता है। सेंसिटिव लोगों की जब नेजल लाइनिंग (नाक की अंदरुनी परत) में सूजन आ जाती है, इंफ्लेमेशन आ जाती है या साइनस ड्रेनेज ब्लॉक हो जाती है तो वो मोल्ड से एलर्जिक हो जाते हैं। इससे आपको बार-बार साइनस के लक्षण होने का खतरा बढ़ जाएगा। दूसरी तरफ, फंगल साइनस इंफेक्शन होना दुर्लभ होता है। यह तब होता है, जब एक या उससे ज्यादा मोल्ड नाक या साइनस के अंदर जम जाते हैं और विकसित होने लगते हैं।

डॉक्टर अविनाश कुमार ने ना खुलने वाली बंद नाक, फेशियल पेन, भारीपन या दबाव, गाढ़ा बलगम या खून के धब्बे वाला डिस्चार्ज, सूंघने की क्षमता घटना, बार-बार नाक की समस्या होना या रेगुलर ट्रीटमेंट के बाद भी समस्या का बने रहना, आंख के आसपास दर्द/सूजन, नजर धुंधली होना, गंभीर सिरदर्द, चेहरे पर सूजन जैसे लक्षणों को इग्नोर करने से मना किया है। जो लोग डायबिटीज जैसी क्रोनिक बीमारी या कमजोर इम्यूनिटी से परेशान हैं, कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट ले रहे हैं, इम्यूनो-सप्रेसिंग दवाएं ले रहे हैं, उनको ज्यादा सावधान रहने

टेक्नो अपडेट

भारतीय रिसर्चर्स की तकनीक, गर्मी से बिजली बनाने के लिए ढूंढा अनोखा मटीरियल

भारतीय रिसर्चर्स ने ऐसा मटीरियल खोज निकाला है जो गर्मी से अनोखे तरीके से 1000 गुना ज्यादा बिजली पैदा कर सकता है। इस खोज ने फिजिक्स के नियमों तक को बदल दिया है। इस तकनीक का इस्तेमाल बेतहाशा बिजली बनाने के लिए हो सकता है। इसके लिए ऐसा अनोखा सेमीकंडक्टर तलाशा गया है , जिसने फिजिक्स के नियमो को बदल कर रख दिया है। इस मटीरियल की खासियत है कि यह गर्मी का इस्तेमाल करके किसी आप सेमीकंडक्टर के मुकाबले करीब 1,000 गुना ज्यादा बिजली पैदा कर सकता है। अभी तक माना जाता था कि इतनी ज्यादा बिजली सिर्फ तरल पदार्थों से ही बन सकती है, किसी ठोस क्रिस्टल से नहीं। भारतीय रिसर्चर्स की इस खोज से भविष्य में गर्मी से भरपूर बिजली बनाने और बेहद संवेदनशील सेंसर्स तैयार करने का रास्ता साफ हो गया है।

क्यों खास है खोजी गई तकनीक?: साइंस में एक नियम है जिसे सीबेक इफेक्ट कहते हैं। इसके मुताबिक जब किसी धातु या सेमीकंडक्टर का एक सिरा गर्म और दूसरा सिरा ठंडा होता है, तो दोनों सिरों के बीच बिजली पैदा होने लगती है। सालों से यही माना जाता रहा है कि ठोस मटीरियल में इससे बहुत कम बिजली पैदा होती है और ज्यादा बिजली के लिए लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट्स या जेल का सहारा लेना पड़ता था। ऐसे में भारतीय रिसर्चर्स ने पहली बार एक ठोस क्रिस्टल में लिक्विड जितनी भारी बिजली पैदा करके फिजिक्स के तय नियमों को बदल कर रख दिया है।?

दरअसल भारतीय रिसर्चर्स ने स्कैंडियम नाइट्राइड नाम के मटीरियल की बेहद पतली परतें तैयार की हैं। इसके बाद इसमें बेहद बारीकी से मैग्नीशियम को मिलाया गया है। इस बदलाव की वजह से मटीरियल की अंदरूनी बनावट में बिजली के पॉजिटिव और नेगेटिव चार्ज एक समान और अनोखे तरीके से फैल जाते हैं। जब इस नए मटीरियल की लगभग 200 नैनोमीटर पतली परत पर टेस्ट किया गया, तो इसने कमरे के तापमान पर ही उम्मीद से सैकड़ों गुना ज्यादा वोल्टेज पैदा हुई। टेस्टिंग में यह भी देखने को मिला कि मटीरियल की परत को जितना ज्यादा पतला किया गया, इससे बिजली पैदा होने की ताकत उतनी ही ज्यादा बढ़ती चली गई?

अजब - गजब

दुनिया का इकलौता बार, जहां इंसान की कटी उंगली को शराब में डालकर पीते हैं लोग

क्या आप किसी ऐसे बार की कल्पना कर सकते हैं, जहां व्हिस्की की एक शॉट के साथ आपको बर्फ में जमा हुआ असली इंसानी अंगूठा परोसा जाए? सुनने में ही यह बात किसी हॉरर फिल्म का सीन या मनगढंत कहानी जैसी लगती है, लेकिन उत्तरी कनाडा के युकॉन इलाके में बसे डाउसन सिटी के एक मशहूर बार में ऐसा ही होता है। यहां के सॉरडफ सलून में अगर आप जाएंगे, तो आपको सॉरटो कॉकटेल नाम की एक खास ड्रिंक मिलेगी, जिसमें बर्फ से सुखाया गया असली इंसानी अंगूठा तैरता हुआ नजर आता है।

इस बेहद अजीबोगरीब परंपरा की शुरुआत 1920 के दशक के एक खौफनाक हादसे से हुई थी। शराब की तस्करी करने वाले दो भाई लुई लिंकन और ओटो लिंकन भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए। ठंड इतनी ज्यादा थी कि लुई के पैर का अंगूठा बर्फ से पूरी तरह जम गया। शरीर में सड़न न फैले, इसलिए ओटो ने मजबूरी में कुल्हाड़ी से अपने भाई का जम चुका अंगूठा काट दिया। बाद में उन्होंने उस कटे हुए अंगूठे को शराब के एक जार में हमेशा के लिए संभालकर रख दिया। इसके ठीक 50 साल बाद कैप्टन डिक स्टीवेन्सन नाम के एक शख्स को एक पुरानी केबिन की सफाई करते समय वह जार मिला और वे उस कटे हुए अंगूठे को सीधे शहर के बार में ले आए, जहां से इस अनोखी ड्रिंक का जन्म हुआ।

हैरानी की बात यह है कि बार अब तक कम से कम 8 अलग-अलग इंसानी अंगूठे इस्तेमाल कर चुका है। ये सभी अंगूठे लोगों द्वारा दिए गए थे। इनमें से ज्यादातर अंगूठे या तो चोरी हो गए या फिर लोग अनजाने में या जानबूझकर गटक गए! पहली बार 1980 में एक खदान कर्मचारी ने 13वां पैग मारते हुए गलती से उस असली अंगूठे को निगल लिया था। इसके बाद बार प्रशासन ने कड़ा नियम बनाया कि जो भी अंगूठा निगलेगा, उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अब इस ड्रिंक को पीने के नियम बहुत सख्त और स्पष्ट हैं। यदि आप सॉरटो कॉकटेल क्लब का आधिकारिक सदस्य बनना चाहते हैं, तो शर्त यह है कि जब आप व्हिस्की का पैग पिएं, तो वह काला, सूखा इंसानी अंगूठा आपके होंठों को छूना बेहद जरूरी है। बार में एक मशहूर कहावत भी कही जाती है कि आप इसे जल्दी पिएं या धीरे-धीरे, लेकिन आपके होंठ उस अंगूठे को छूने ही चाहिए।

बुखार-उल्टी-दस्त के बाद बिगड़ी तबीयत, 10 दिन में एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां फिजिकल थाना क्षेत्र में महज 10 दिनों के भीतर एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में तीन सगे भाई और उनका 19 वर्षीय रिश्तेदार शामिल है। सभी की मौत से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी-दस्त और तबीयत तेजी से बिगड़ने जैसे लक्षण सामने आए हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मच गया है और परिवार के सदस्यों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक फिजिकल थाने के सामने रहने वाले तनवीर अहमद के परिवार में सबसे पहले 14 वर्षीय बेटे ताहिर की तबीयत खराब हुई थी। उसे तेज बुखार के साथ पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। परिजनों के अनुसार इलाज के दौरान उसकी प्लेटलेट्स तेजी से कम होती चली गईं और हालत गंभीर हो गई। बीमारी शुरू होने के करीब दो दिन बाद ताहिर की मौत हो गई।

ताहिर की मौत के बाद परिवार सदमे में था कि तनवीर की बहन के 19 वर्षीय बेटे अयाज की भी तबीयत बिगड़ गई। अयाज को इलाज के लिए शिवपुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। जहां 23 अगस्त को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि अयाज की जांच में संक्रमण की बात सामने आई थी। इसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ तब टूटा, जब तनवीर के दो और बेटों की तबीयत खराब हो गई। 9 वर्षीय तारूफ और 11 वर्षीय तासिफ को भी बुखार आने के बाद उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। परिवार ने दोनों बच्चों का इलाज कराया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। 31 अगस्त की सुबह तारूफ की मौत हो गई, जबकि उसी दिन शाम को उसके बड़े भाई तासिफ ने भी दम तोड़ दिया।

परिजनों के मुताबिक, 16 अगस्त को परिवार के कई सदस्य गोरा टीला के पास स्थित एक झरने पर नहाने गए थे। इसके बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने का सिलसिला शुरू हुआ। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने झरने में नहाने और बच्चों की मौत के बीच किसी भी संबंध की पुष्टि नहीं की है। चार बच्चों की मौत की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम परिवार के घर पहुंची और परिजनों समेत अन्य लोगों के सैंपल लिए। इन्हें जांच के लिए भेजा गया है। फिलहाल चारों बच्चों का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है, इसलिए मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। डॉ. संजय ऋषिश्वर के मुताबिक शुरुआती जांच में संक्रमण की आशंका सामने आई है। बच्चों की प्लेटलेट्स तेजी से कम होने की जानकारी मिली है और एक बच्चे के शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल एक ही परिवार के चार बच्चों की लगातार मौत ने शिवपुरी में चिंता बढ़ा दी है। सवाल यही है कि आखिर यह कोई रहस्यमयी संक्रमण है या फिर मौतों के पीछे कोई दूसरी वजह? जवाब अब स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट से मिलने की उम्मीद है।

न्यूज विंडो

85 छात्राओं को मिला लर्निंग लाइसेंस सुरक्षित ड्राइविंग की दिलाई शपथ

नर्मदापुरम। बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सुरक्षित परिवहन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को शासकीय गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में पिंक लाइसेंस ड्राइव शिविर आयोजित किया गया। मिशन शक्ति के तहत 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना में आयोजित शिविर में 85 बालिकाओं का पंजीयन कर उन्हें निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए गए। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास तृप्ति त्रिपाठी ने बालिकाओं को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी एवं सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा के साथ स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रमोद कापसे ने बालिकाओं को यातायात नियमों और सुरक्षित परिवहन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लर्निंग लाइसेंस सुरक्षित ड्राइविंग की दिशा में पहला कदम है, लेकिन वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने हेलमेट के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान बालिकाओं को सुरक्षित परिवहन एवं यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्य संगीता अहिरवार ने बालिकाओं को लर्निंग लाइसेंस मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए शिक्षित और सशक्त बनकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार जैन, प्राध्यापक हर्षा चाचाने सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

गंजबासौदा का नन्हा सितारा, सात्विक ने 'हनुमान अंश' में बिखेरा अभिनय का जलवा

गंजबासौदा। शहर की प्रतिभाएं अब बड़े पर्दे पर भी अपनी चमक बिखेर रही हैं। गंजबासौदा के बाल कलाकार सात्विक शर्मा ने चर्चित फिल्म 'हनुमान अंश' में अपने प्रभावी अभिनय से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। कम उम्र में सात्विक ने जिस सहजता और आत्मविश्वास के साथ किरदार निभाया, उसकी जमकर सराहना हो रही है। सात्विक के अभिनय का सफर छोटी उम्र से ही शुरू हो गया था। स्थानीय मंचों और कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने के बाद उन्होंने टेलीविजन सहित कई प्रोजेक्ट में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। फिल्म 'हनुमान अंश' की कहानी नीम करौली बाबा से जुड़े प्रसंगों और उनके आध्यात्मिक जीवन से भी जुड़ी हुई है। फिल्म में सात्विक ने हनुमान जी के बाल स्वरूप से जुड़े किरदार को जीवंत किया है। आध्यात्मिक भावभूमि वाली इस कहानी में सात्विक का अभिनय दर्शकों को खासा प्रभावित कर रहा है। सात्विक का अभिनय सफर छोटी उम्र से ही शुरू हो गया था। स्थानीय मंचों औरसात्विक ने हनुमान जी के बाल स्वरूप से जुड़े किरदार को जीवंत किया है। किरदार के अनुरूप संवाद, भाव-भंगिमा और अभिनय पर उन्होंने विशेष मेहनत की। फिल्म की शूटिंग के दौरान भी सात्विक ने अपने अभिनय को निखारने के लिए लगातार अभ्यास किया। सात्विक की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ गंजबासौदा में भी खुशी का माहौल है। परिवार के अनुसार सात्विक को बचपन से ही अभिनय में विशेष रुचि रही है।बमहज नौ वर्ष की उम्र में बड़े पर्दे तक पहुंचकर सात्विक ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। उनकी सफलता शहर के उन बच्चों के लिए भी प्रेरणा बन रही है, जो अभिनय और कला के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

इंदौर में ट्रैफिक नियम सख्त पहली बार एफआईआर तक दर्ज

इंदौर। प्रदेश में यातायात नियमों को लेकर समय-समय पर सख्ती दिखाई जाती है, लेकिन इस बार इंदौर शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। चाणक्यपुरी चौराहे पर पुलिस ने पहली बार रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामले में चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन वाहन चालकों की पहचान ड्रोन सर्विलांस के जरिए की गई। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, कुछ वाहन चालक वन-वे सड़क पर गलत दिशा से वाहन चला रहे थे। वहीं, कुछ लोगों ने सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित किया और दूसरे वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। ड्रोन से निगरानी के दौरान ऐसे वाहन चालकों को चिन्हित किया गया।

हनुमना सड़क, राजकीय राजमार्ग पर पुलिस ने बेरिकेडिंग कर रोका रास्ता

सीधी में सड़क धंसने से स्टेट हाईवे बंद पहाड़ में 3 जगह हुआ मिट्टी का कटाव

सीधी। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रही बारिश ने बहरी-हनुमना राजकीय राजमार्ग पर समस्या खड़ी हो गई है। कोदौरा घाटी के मूड़ा पहाड़ में भारी बारिश से मुख्य सड़क तीन जगह से धंस गई। पहाड़ी से तेज बहाव के साथ आए पानी से मिट्टी का कटाव होने के कारण सडक़ बड़ा हिस्सा कमजोर हो गया। कई स्थानों पर सड़क में दरारें भी आ गई हैं, जिससे सड़क धंसने की आशंका बनी हुई है। पुलिस ने मार्ग पर बेरिकेडिंग कर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। सड़क धंसने की सूचना के बाद मार्ग के दोनों ओर बेरिकेड्स लगाकर पुलिस बल तैनात हो गया है ताकि कोई वाहन क्षतिग्रस्त हिस्से में प्रवेश न कर सके। छोटे वाहन चालकों को भी उस रास्ते पर जाने से रोका जा रहा है। पुलिस सभी को चेतावनी दे रही है। रुक-रुककर बारिश जारी रहने से और भूस्खलन जैसी घटना हो सकती है। मार्ग बंद होने के बाद बहरी की ओर से हनुमना जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट किया गया है। अमिलिया पुलिस के मुताबिक वाहन अमिलिया से कमर्जी होकर तथा सिंहावल से बांकी घाट होकर हनुमना की ओर जा सकेंगे। यात्रियों और वाहन चालकों से निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की गई है।

मरम्मत पूरी होने तक बंद रहेगा मार्ग

पुलिस के मुताबिक धंसी हुई सड़क की स्थिति को देखते हुए जब तक मार्ग की आवश्यक मरम्मत पूरी नहीं हो जाती, मूड़ा पहाड़ से वाहनों की आवाजाही शुरू नहीं की जाएगी। बारिश के बीच कमजोर हिस्से से गुजरना जानलेवा साबित हो सकता है, इसलिए वाहन चालकों को बेरिकेडिंग हटाकर आगे बढने से बचने की सलाह दी गई है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश वैश्य ने बताया कि घाटी में मार्ग तीन स्थानों पर धंसने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया है। सड़क सुरक्षित होने के बाद ही यातायात बहाल किया जाएगा।

गिरधर पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर बच्चों ने दी प्रस्तुति

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

कार्यक्रम स्थल को रंग-बिरंगी सजावट, फूलों एवं भगवान श्रीकृष्ण की झांकी से सजाया गया। विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक वेशभूषा और प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। संस्थान के शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष रघुनाथ पाटीदार सचिव अरविंद पाटीदार प्रबंध संचालक श्री नीलेश पाण्डेय प्राचार्य अनुराग मसीह सरिता हजारे रामशंकर ठाकुर शिल्पी जैन एवं सभी शिक्षक छात्र छात्र उपस्थित हुए। इस अवसर पर संस्थान का वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण रहा तथा विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ जन्माष्टमी पर्व का आनंद लिया।

इटारसी में हरिद्वार-एलटीटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग बानापुरा में इंटरसिटी-पुष्पक-कामायनी रोकने का मुद्दा उठा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य रेल के नागपुर मंडल की वार्षिक सांसद बैठक में नर्मदापुरम और नरसिंहपुर क्षेत्र से जुड़ी रेल सुविधाओं और यात्री समस्याओं के मुद्दे उठाए गए। क्षेत्रीय सांसद दर्शन सिंह चौधरी के प्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत ने इटारसी, बानापुरा, सिवनी मालवा समेत क्षेत्र के स्टेशनों से जुड़ी कई मांगें रेल प्रशासन के सामने रखीं।

बैठक मध्य रेल के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। राजपूत ने हरिद्वार-एलटीटी एक्सप्रेस (12171-12172) का इटारसी जंक्शन पर ठहराव देने की मांग की। वहीं भुसावल-नागपुर वाया इटारसी इंटरसिटी एक्सप्रेस, पुष्पक एक्सप्रेस और कामायनी एक्सप्रेस का बानापुरा स्टेशन पर ठहराव शुरू करने की मांग भी रखी। राजपूत ने इटारसी जंक्शन के प्लेटफार्म 2 और 3 की सीढ़ियों को चौड़ा करने तथा सभी प्लेटफार्मों पर लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा जल्द शुरू करने की मांग की। इसके साथ ही इटारसी मालगोदाम को जल्द स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया। बानापुरा स्टेशन पर प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने, मालगोदाम को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने और लंबे समय से बंद आरपीएफ चौकी को दोबारा शुरू करने की मांग भी बैठक में रखी गई। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नरसिंहपुर, गाडरवारा, करेली, पिपरिया, इटारसी और सिवनी मालवा में चल रहे निर्माण कार्यों को गति देने की मांग की गई। यात्रियों के लिए प्रवेश-निकास द्वार, प्रतीक्षालय, शौचालय और पेयजल जैसी सुविधाओं का काम समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। बैठक में बैतूल सांसद दुर्गादास उइके, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, अमरावती सांसद अनिल बोंडे, छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू, सांसद श्याम कुमार बर्दे, सांसद प्रतिभा धानोरकर और सांसद अनूप संजय धोत्रे सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। रेलवे की ओर से नागपुर और भुसावल मंडल के डीआरएम सहित वाणिज्य, आरपीएफ और जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ताकू रेंज के अंडरपास में तकनीकी बदलाव की मांग

केसला के पास ताकू प्रूफ रेंज जाने वाले मार्ग पर बने सेंट्रल रेलवे के अंडरपास का मामला सांसद प्रतिनिधि एवं जेआरयूसीसी सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत ने नागपुर मंडल में हुई बैठक में प्रमुखता से उठाया। अंडरपास की टर्निंग रेडियस करीब 5 मीटर कम होने के कारण रेंज में परीक्षण के लिए आने वाली तोपें और बड़े कंटेनर नहीं निकल पाते। ऐसे में रेलवे से पत्राचार कर बंद फाटक खुलवाकर इन बड़े वाहनों को ताकू रेंज तक पहुंचाना पड़ता है। राजपूत ने सेना के बड़े वाहनों और तोपों की सुगम आवाजाही के लिए अंडरपास में तकनीकी बदलाव कर इसे उपयुक्त बनाने की मांग की।

मेट्रो एंकर — उज्जैन में 100 बीघा में ऑर्गेनिक सूरजमुखी की खेती का सफल प्रयोग

लालपुर क्षेत्र में खेतों में खिला 'पीला सोना'

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के लालपुर क्षेत्र में युवा किसान ऋषभ पंड्या और उनकी टीम ने करीब 100 बीघा जमीन पर ऑर्गेनिक सूरजमुखी की खेती का सफल प्रयोग किया है। 90 से 100 दिनों में तैयार होने वाली इस तिलहनी फसल को सोयाबीन के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। सूरजमुखी की पीली चादर अब महाकाल के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है।

मालवा की उर्वर माटी, जो अब तक मुख्य रूप से सोयाबीन, गेहूं और चने की पारंपरिक खेती के लिए जानी जाती थी, अब बदलाव की एक नई इबारत लिख रही है। पंजाब और उत्तराखंड की पहचान माना जाने वाला 'पीला सोना' यानी सूरजमुखी अब उज्जैन के खेतों में अपनी चमक बिखेर रहा है। जिले के लालपुर क्षेत्र में युवा किसान ऋषभ पंड्या और उनकी टीम ने करीब 100 बीघा जमीन पर ऑर्गेनिक सूरजमुखी की खेती का सफल प्रयोग किया है, जो मालवा के कृषि परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

मालवा का किसान लंबे समय से मानसून पर निर्भर सोयाबीन की फसल पर आश्रित रहा है, जिसमें अक्सर कीटों और मौसम की मार से नुकसान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में सूरजमुखी भविष्य में सोयाबीन के एक मजबूत और टिकाऊ विकल्प के तौर पर उभरी है। सूरजमुखी की यह तिलहनी फसल महज 90 से 100 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। एक बीघा खेत में मात्र 1.5 किलो बीज की आवश्यकता होती है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2,500 से 3,000 रुपये प्रति किलो है। पूरी तरह से जैविक (ऑर्गेनिक) पद्धति से उगाई गई इस फसल से गुणवत्ता और उत्पादन, दोनों ही स्तरों पर उत्साहजनक परिणाम मिले हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत में बढ़ी मांग

भारत अपनी सूरजमुखी तेल (सनफ्लावर ऑयल) की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर यक्रेन पर निर्भर था। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इसके अंतरराष्ट्रीय आयात पर असर पड़ा, जिससे घरेलू बाजार में सूरजमुखी की मांग और कीमतें दोनों काफी बढ़ गईं। फसल में फूल आने के साथ ही कई प्रमुख खाद्य तेल कंपनियों ने किसान से सीधे खेत से ही उपज खरीदने (डायरेक्ट बायबैक) के लिए संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, सूरजमुखी के बीजों का उपयोग न केवल तेल निकालने में, बल्कि रोस्टेड स्नैक्स, बेकरी, सलाद और विभिन्न 'वैल्यू-एडेड फूड प्रोडक्ट्स' में भी बड़े पैमाने पर किया जाता है।

न्यूज विंडो

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण कर किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। शासकीय हाई स्कूल खमरिया अजीतपुर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी जुगल शर्मा द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं परिसर का अवलोकन किया। निरीक्षण के उपरांत पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ÷एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय परिवार ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पौधों की देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के प्रार्चाय लखन सिंह ठाकुर शिक्षक दामोदर नामदेव शिक्षक रामकुमार परस्ते रामाकांत धुर्वे सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

सर्वर डाउन रहने से गैस उपभोक्ता परेशान, शाम को सिलेंडर वितरण

तेंदूखेड़ा। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गैस वितरण व्यवस्था सर्वर डाउन रहने के कारण प्रभावित रही। सुबह से ही गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर सहित लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित झलौन क्षेत्र में भी सर्वर की समस्या के कारण गैस वितरण कई घंटों तक शुरू नहीं हो सका। बताया गया कि बुधवार को झलौन में साप्ताहिक बाजार होने के कारण आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष बाजार करने के साथ-साथ घरेलू गैस सिलेंडर लेने पहुंचे है गैस वितरण केंद्र पर पहुंचने के बाद उपभोक्ताओं को जानकारी मिली कि सर्वर डाउन होने के कारण गैस सिलेंडरों का वितरण नहीं किया जा सकता। इसके बाद लोग लंबे समय तक इंतजार करते रहे। सुबह से दोपहर और फिर शाम तक उपभोक्ता सर्वर शुरू होने की प्रतीक्षा करते नजर आए। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे लोगों को सबसे अधिक परेशानी हुई। कई लोग अपने अन्य जरूरी काम छोड़कर गैस लेने पहुंचे थे, लेकिन सर्वर की तकनीकी समस्या के चलते उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। लगभग शाम 4 बजे सर्वर शुरू होने के बाद गैस वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसके बाद उपभोक्ताओं को राहत मिली। हालांकि लंबे इंतजार के कारण वितरण केंद्रों पर लोगों की भीड़ देखने को मिली और सिलेंडर प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। इसी प्रकार नगर में भी बुधवार को सर्वर डाउन रहने से गैस वितरण व्यवस्था प्रभावित रही। सर्वर चालू होने के बाद ही नगर में सिलेंडरों का वितरण शुरू किया जा सका। अचानक आई तकनीकी समस्या के कारण पूरे दिन उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने ऐसी तकनीकी बाधाओं से बचने के लिए व्यवस्था को और सुचारु बनाए जाने की आवश्यकता बताई।

पेड़ से फंदे पर झूला 9वीं का छात्र रक्षाबंधन की छुट्टी पर आया था घर

धार। जिले की कुक्षी तहसील अंतर्गत ग्राम बड़ग्यार में एक 13 वर्षीय स्कूली छात्र द्वारा फांसी लगाकर खुदकुशी करने का दुखद मामला सामने आया है। निसरपुर स्थित सीनियर बालक छात्रावास में रहकर सांदीपनी स्कूल में 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र दीवान मोरी का शव बुधवार सुबह अपने ही गांव के एक खेत में नीम के पेड़ से लटका मिला। घटना के समय छात्र स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए था। छात्र ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार दीवान रक्षाबंधन की छुट्टियां मनाने अपने गांव बड़ग्यार आया हुआ था। हॉस्टल अधीक्षक रामसिंह बघेल एवं बीईओ हीरालाल निंग्वाल के अनुसार, छात्र 31 अगस्त को स्कूल गया था, लेकिन उसके बाद हॉस्टल नहीं लौटा। वह 1 सितंबर की शाम को सीधे अपने गांव बड़ग्यार पहुंच गया। इसके बाद 2 सितंबर की सुबह उसने खेत में जाकर पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर जान दे दी। मृतक के पिता धनराज मोरी पेशे से किसान हैं और रतौंधी से ग्रस्त हैं। दीवान का एक बड़ा भाई और दो बहनें हैं, जो इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। घटना के बाद से परिवार में मातम छाया हुआ है। सूचना मिलते ही कुक्षी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर कुक्षी सिविल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। कुक्षी पुलिस मामला दर्ज कर छात्र की मानसिक स्थिति, हॉस्टल और स्कूल से जुड़े संभावित कारणों सहित सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

रतलाम के सरवन थाना क्षेत्र के बोरदा गांव की घटना, पड़ताल जारी

कुल्हाड़ी से हमला कर युवक की हत्या, पैर बांधकर शव झाड़ियों में फेंका, पत्नी पर शंका

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के सरवन थाना क्षेत्र के ग्राम बोरदा में एक युवक की उसके ही घर में कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। इसके बाद उसका शव घर से कुछ दूर स्थित नाले के पास फेंक दिया गया। उसके दोनों पैर रस्सी से बांध दिए गए थे। शव मिलने के बाद उसकी पत्नी कहीं भाग गई। परिजन ने उसकी पत्नी पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए उसे गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस आरोपी पत्नी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय भीमसिंह पिता मनोहर चरपोटा निवासी ग्राम बोरदा 01 सितंबर 2026 की दोपहर करीब तीन बजे बाद से लापता था। परिजन ने फोन कॉल किए तो उसका फोन बंद मिला। खोजबीन करने पर भी पता नहीं चला। बीते दिन सुबह करीब दस बजे परिजन को उसका शव घर से करीब 200 फीट दूर स्थित नाले के पास झाड़ियों में दिखाई दिया। शव को मक्का के पौधों से ढंका गया था। शव मिलने से सनसनी फैल गई और कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर सरवन थाना प्रभारी अर्जुन सेमलिया, बेड़दा चौकी प्रभारी जेएस तोमर व प्रधान आरक्षक गजेंद्र सिंह झाला मौके पर पहुंचे। मृतक भीमसिंह के गले पर धारदार हथियार से किए गए वार के निशान पाए गए।

कुछ देर बाद रतलाम से एएसपी राकेश पंद्रो, एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल व सैलाना एसडीओपी भी पहुंचे।

पुलिस ने घटना स्थल व शव की जांच की और परिजन से जानकारी ली। कुछ समय तक भीमसिंह की पत्नी आरोपी ललिता भी अन्य परिजन के साथ पति की तलाश कर रही थी, लेकिन शव मिलने के तत्काल बाद वह कहीं जंगल में भाग गई। इससे उस पर हत्या करने की शंका हुई। परिजन के अनुसार शंका होने पर मृतक भीमसिंह के छोटे भाई केसर सिंह, अनिल, सुनील व अन्य परिजन तथा पुलिस अधिकारी भीमसिंह के घर पहुंचे तो एक कमरे में जहां उसकी हत्या की गई थी, वहां खून से सनी कुल्हाड़ी मिली। वहीं वह जिस पलंग (खटिया) पर सोता था उसकी रस्सी कटी हुई और पलंग टूटा मिला। वहीं दीवार पर खून के छींटे लगे हुए थे। जमीन पर फैले खून को छिपाने के लिए मिट्टी से लीप दिया गया था तथा एक-दो स्थानों पर खून के धब्बों पर राख छिड़की हुई थी। इससे यह तय हुआ कि उसकी हत्या घर के अंदर ही की गई थी तथा बाद में शव नाले के पास ले जाकर फेंका गया।

मोबाइल, हाथ में पहना कड़ा व कान की मुरकी नहीं मिली

मृतक भीमसिंह के छोटे भाई केसरसिंह, अनिल व काका भीमसिंह उर्फ भीमा चरपोटा ने अमर उजाला को बताया कि भीमसिंह खेती करता था। उसकी करीब 12 वर्षीय पुत्री व आठ वर्षीय पुत्र है। मैं भीमसिंह के घर से करीब 300 फीट दूर अपने घर में रहता हूं। पिता व छोटे भाई अनिल व सुनील नाले के दूसरी तरफ करीब आठ सौ फीट दूर रहते हैं। अन्य भाई श्यामलाल, रकमलाल, ईश्वर भी अलग-अलग रहते हैं। सभी के घर दूर-दूर हैं। भीमसिंह 01 सितंबर की दोपहर करीब तीन बजे बाद से दिखाई नहीं दिया। शाम करीब छह बजे ललिता रकमलाल के घर आई थी तथा बताया था कि उसके पति भीमसिंह चांदी की कड़िया गिरवी रखने, खाद व अन्य सामान लेने दानपुर (राजस्थान) गए हैं, लेकिन वापस नहीं आए हैं। हमने तलाश की भीमसिंह की दोनों बाइक पिता के घर पर खड़ी थी। वह बाइके पिता के घर पर खड़ी करता था। इसके बाद रात तक खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिला। सुबह पुन- खोजबीन शुरू की तो कुछ समय बाद वह झाड़ियों में मृत मिला। हमें शंका है कि उसे उसी पत्नी ने ही मारा है। काका भीमा ने पुलिस में लिखाई रिपोर्ट में भी मृतक की पत्नी पर ही हत्या करने की शंका जताई है। बेड़दा चौकी प्रभारी जेएस तोमर ने बताया कि हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी ललिता की तलाश में टीमें भेजी है।

स्कूल में चोरी का खुलासा 2 आरोपियों से माल जब्त

तारादेही /तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना अंतर्गत 31 अगस्त की रात तारादेही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अज्ञात चोरों द्वारा की गई कंप्यूटर, प्रिंटर व अन्य सामग्री की चोरी की घटना की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है।मामले में पुलिस ने संदेह के आधार पर ग्राम के ही दो युवक अनारी पिता रामप्रासद गौड़ 28 वर्ष और सुरेश पिता तुलसीराम गौड़ 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी किए गए 10 कम्प्यूटर, 2 प्रिंटर समेत अन्य सामग्री जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 40 हजार रुपए है जब्त की गई है। आरोपियों ने स्कूल के अवकाश के दौरान कंप्यूटर लैब का ताला तोड़कर इस घटना को अंजाम दिया था। जानकारी अनुसार शा.उच्च.मा. विद्यालय तारादेही के प्राचार्य स्वदेश कुमार नेमा ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि विद्यालय के कम्प्यूटर लैब में रखे 10 मॉनिटर एवं सीपीयू, 02 प्रिंटर, कम्प्यूटर की बोर्ड एवं माउस कुल सामग्री कीमती करीबन 5 लाख 4 हजार रुपये कोई अज्ञात चोर चुरा कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर 02 संदेहियो से पूछताछ की गई, जिन्होंने चोरी किया जाना स्वीकार किया है। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े,एसआई रमेश मुडरया, प्रधान आरक्षक भगत सिंह, राजेश सिंह, तुलसीराम, आरक्षक पंकज प्यासी, बलराम सिंह व अन्य शामिल रहे।

झामर से धमना तक निकली युवा जागरण पदयात्रा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

'माई भारत' नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत सहयोग युवा समिति द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जनचेतना बढ़ाने के उद्देश्य से 'युवा जागरण पदयात्रा' का आयोजन किया गया। समाजसेवी फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झामर से सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमना तक निकली इस पदयात्रा ने लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय की। उल्लेखनीय है कि फलित सिंह पटेल ने युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करने और उन्हें इस सामाजिक अभियान से जोड़ने के लिए 100 दिवसीय जनजागरण का संकल्प लिया है। युवा जागरण पदयात्रा के आयोजन के साथ इस संकल्प का चौथा सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ अभियान के पिछले तीन सप्ताहों में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं युवाओं से लगातार संवाद किया गया। उन्हें तंबाकू, शराब एवं अन्य नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं नशा न करने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई इसी जनजागरण को विद्यालयों से आगे गांव और आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से झामर से धमना तक युवा जागरण पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों, स्थानीय नागरिकों एवं सहयोग युवा समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। हाथों में नशामुक्ति एवं युवा जागरण के संदेश वाली तख्तियां लेकर प्रतिभागियों ने युवा जागेगा-नशा भागेगा, नशे को ना-जीवन को हां और नशामुक्त युवा-सशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया करीब 11 किलोमीटर के मार्ग में आने वाले गांवों, बस्तियों और शिक्षण संस्थानों में ग्रामीणों एवं युवाओं से सीधा संवाद किया गया। लोगों को नशे के कारण व्यक्ति के साथ परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। क्षेत्रवासियों ने भी पदयात्रा का स्वागत करते हुए अभियान में सहभागिता का आश्वासन दिया इस अवसर पर फलित सिंह पटेल ने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने मित्रों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा स्वयं नशामुक्ति का संकल्प लेकर समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी संभालें, तभी नशामुक्त और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा सहयोग युवा समिति ने बताया कि 100 दिवसीय संकल्प के आगामी सप्ताहों में भी विद्यालयों, गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर संवाद, युवा सहभागिता एवं विभिन्न जनजागरण गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी अभियान का लक्ष्य युवाओं को नशामुक्ति का संदेशवाहक बनाकर 'नशामुक्त युवा से नशामुक्त समाज' की सोच को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

सागर कमिश्नर कार्यालय की टीम ने जनपद पंचायत व नगर परिषद का किया निरीक्षण

गुटखा खाने वालों पर 500 रुपए जुर्माने के निर्देश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर संभागायुक्त के निर्देश पर बुधवार को कमिश्नर कार्यालय सागर से आई अधिकारियों की टीम ने तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत एवं नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर विभागीय कार्यों, अभिलेखों और संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण दल में विजेंद्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, कमिश्नर कार्यालय सागर तथा वेद प्रकाश तिवारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, जनपद पंचायत शाहगढ़ शामिल रहे। दोनों अधिकारियों ने दोपहर लगभग 12.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक जनपद पंचायत एवं नगर परिषद के विभिन्न विभागों की समीक्षा की। जनपद पंचायत कार्यालय में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अभिलेखों, रिकॉर्ड तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान जहां भी रिकॉर्ड में

कमियां पाई गईं, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभिलेख तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डांट-फटकार भी लगाई गई। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत परिसर में कई स्थानों पर गुटखा की पीक और गंदगी दिखाई देने पर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर एवं जनपद सभाकक्ष में गुटखा अथवा तंबाकू का सेवन करने वालों पर आगामी समय में 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाए। अधिकारियों ने कहा कि बैठकों में शामिल होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी भी इस व्यवस्था का पालन करें। वसूली गई जुर्माना राशि का उपयोग कार्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर किया जाए। इसके बाद निरीक्षण दल ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर स्थापना शाखा, अवकाश पंजी, निर्माण कार्यों से संबंधित फाइलों एवं कर्मचारियों की सर्विस बुक का निरीक्षण किया। संबंधित कर्मचारियों को रिकॉर्ड एवं सर्विस बुक को व्यवस्थित और अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों की सफाई के बाद कूड़ा-कचरा तत्काल उठाकर निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए, ताकि नगर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

बैंक ऑफ इंडिया में लाखों के गबन का मामला

कैशियर ने दो माह में पार किए थे 45 लाख रुपए, गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के बाग क्षेत्र में स्थित बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा में सोमवार को वित्तीय अनियमितता और नकदी में बड़ी हेराफेरी का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस ने बैंक के हेड कैशियर हितेश पिता रुमालसिंह निंगवाल गडबोरी को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने समय-समय पर वॉल्ट से नकदी निकालकर अपने कर्ज उतारने में इस्तेमाल की। कैशियर हितेश निंगवाल अपने साथ वॉल्ट की चाबी लेकर घर चला गया और सोमवार को बैंक खुलने पर नहीं पहुंचा। इस पर शंका होने के बाद बैंक प्रबंधन ने जिला कार्यालय से दूसरी चाबी मंगवाकर वॉल्ट खोला और नकदी मिलान में करीब 45-46 लाख रुपये की कमी पाई गई, जिसके बाद दिनभर बैंक का कामकाज ठप रहा। प्रबंधन ने मुख्य द्वार पर लिंक बंद है का पर्चा चस्पा कर

ग्राहकों का प्रवेश रोक दिया, जिससे आम लोग परेशान रहे। देर रात बैंक प्रबंधक मयूर दुबे थाने पहुंचे और करीब 46 लाख रुपये कैश कम होने तथा कैशियर के चाबी लेकर गायब होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पुछताछ में कैशियर हितेश निगवाल ने बताया कि उसने गबन की राशि को दो महिनों में ही बैंक से पार किया था, रोजना आने वाले नगदी को वो वॉल्ट में छोटो नोटो को आगे की और जमा देता था जिससे राशि ज्यादा नजर आती थी, उसके पीछे वो रोजना एक से दो नोटो की गड्डी को लेकर अपने साथ चला जाता था, करीब दो महिनों तक उसने इसी तरह से बैंक से राशि निकाली थी, जो करीब 45 लाख के उपर पहुंचाई थी।

मेट्रो एंकर सूर्य, चंद्र, बुध, बृहस्पति और शनि के पुनरावृत्ति योग में मनेगी जन्माष्टमी

59 साल बाद फिर कान्हा के जन्म का अद्भुत ग्रहयोग

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी विशेष संयोग लेकर आ रही है। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर कल 4 सितंबर शुक्रवार को रोहिणी के बाद मृगशिरा नक्षत्र, हर्षल के बाद वज्र योग, तैतिल के बाद वणिज करण और वृषभ राशि के चंद्रमा की साक्षी में होगी पंडित गोपाल शास्त्री के अनुसार 1967 के बाद 2026 में पांच प्रमुख ग्रहों की स्थिति में पुनरावृत्ति के साथ जन्माष्टमी का पर्वकाल आ रहा है। सूर्य और बुध सिंह, चंद्र वृषभ, गुरु कर्क तथा शनि मीन राशि में गोचर करेंगे। पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार भगवान कृष्ण की भक्ति से ज्ञान, वैराग्य और जीवन के चार पुरुषार्थ की साधना का मार्ग प्रशस्त होता है इसके लिए कृष्णाष्टकम् और कृष्ण कथा-लीलामृत के पाठ-श्रवण का संकल्प लिया जा सकता है।

केंद्र-त्रिकोण योग से साधना को बल

ज्योतिष शास्त्र में केंद्र-त्रिकोण को प्रभावशाली माना गया है इस योग में ग्रहों की शक्ति बढ़ने से परिस्थितियों में बदलाव के संकेत मिलते हैं सूर्य-चंद्र के विशेष योग और अन्य ग्रहों के दृष्टि संबंध साधकों के लिए महत्वपूर्ण हैं कृष्ण उपासक इस दौरान विशेष साधना और संकल्प कर सकते हैं। पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार ग्रहों के इस संयोग से तकनीकी संचार, प्रशासन, आध्यात्मिकता और धर्म के क्षेत्र में परिवर्तन के संकेत हैं। 59 वर्ष पूर्व भी ऐसे ग्रह गणित के दौरान भारतीय सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन देखने को मिला था। इस बार ग्रहों की पुनरावृत्ति राष्ट्र के प्रभाव में वृद्धि का संकेत दे रही है। जिन कन्याओं के विवाह में बाधा है, उन्हें जन्माष्टमी से भगवान कृष्ण का पूजन करते हुए माता कात्यायनी की साधना करने की सलाह दी है वैदिक मंत्र और स्तोत्र पाठ का तीन माह तक नियमित रूप से पालन करने की बात कही गई है।

हलषष्ठी: संतान की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हलषष्ठी का पर्व बीते दिन श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, उन्नति एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर व्रत रखा तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दिनभर घरों में धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हलषष्ठी माता एवं भगवान बलराम की पूजा की। हिंदू मान्यताओं के अनुसार हलषष्ठी व्रत भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। इस पर्व को हरछठ, हलछठ, ललही छठ, बलदेव छठ और बलराम जयंती के नाम से भी जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्मोत्सव भी इसी दिन मनाया जाता है। भगवान बलराम के प्रमुख आयुध हल और मूसल हैं, जिसके कारण उन्हें हलधर के नाम से भी जाना जाता है। पर्व के दौरान महिलाओं ने विशेष नियमों का पालन करते हुए पूजा की। धार्मिक परंपरा के अनुसार इस दिन हल से जोती गई भूमि में उत्पन्न अनाज और सब्जियों का सेवन नहीं किया जाता है। कई महिलाओं ने परंपरागत रूप से तालाब या जलाशय में स्वतः उत्पन्न होने वाले अन्न, जैसे पसई अथवा तीनी के चावल का उपयोग किया। वहीं भैंस के दूध, दही और घी का भी विशेष महत्व रहा। हलषष्ठी की पूजा में महुआ का भी विशेष महत्व माना जाता है। महिलाओं ने पूजा में महुआ के पत्तों तथा बांस की डलिया अथवा चुनका का उपयोग किया। कई स्थानों पर महुआ की दातुन करने और महुआ के उपयोग की परंपरा भी निभाई गई। पूजन के बाद माताओं ने अपने पुत्रों का तिलक किया, उनकी आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन का आशीर्वाद दिया। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर महिलाओं की श्रद्धा और मातृ-स्नेह से जुड़ा हलषष्ठी पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया।

श्रीलंका से छिनी मेजबानी: पहली बार टी20 प्रारूप में आयोजित होगा टूर्नामेंट

भारत में पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी का महामुकाबला, मुंबई और वडोदरा में मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन की तारीख और मेजबान देश का ऐलान कर दिया है। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का पहला संस्करण 14 से 28 फरवरी 2027 तक भारत में खेला जाएगा। मुकाबलों के लिए मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा के वडोदरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को चुना गया है।

श्रीलंका से भारत पहुंचा टूर्नामेंट- महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पहले श्रीलंका को सौंपी गई थी, लेकिन वहां क्रिकेट प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप को लेकर उठे सवालों के बाद आईसीसी ने आयोजन स्थल बदलने का फैसला किया। वैकल्पिक मेजबान के चयन के लिए बांग्लादेश, भारत और दक्षिण अफ्रीका की दावेदारी का मूल्यांकन किया गया। आईसीसी के निर्धारित मेजबान मूल्यांकन मानकों पर सभी दावेदारों को परखने के बाद भारत को सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया। इसके बाद भारत को वैकल्पिक मेजबान बनाने की सिफारिश की गई, जिसे 1 सितंबर को आईसीसी बोर्ड ने मंजूरी दे दी।

टी20 के रोमांच में तय होगा पहला चैंपियन

महिला चैंपियंस ट्रॉफी का पहला संस्करण टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। तेज रफ्तार क्रिकेट के इस प्रारूप में छह शीर्ष टीमों की भिड़ंत से मुकाबलों में रोमांच और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ने की संभावना है। खिलाड़ियों के लिए यह टूर्नामेंट अपनी टीम को विश्व स्तर पर मजबूत स्थिति में पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच भी होगा।

छह टीमों के बीच होगी खिताबी जंग

टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका खिताब के लिए मैदान में उतरेंगी। सभी टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग चरण में मुकाबले होंगे। इसके बाद अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाली टीमें सीधे फाइनल में पहुंचेंगी। 28 फरवरी 2027 को होने वाला फाइनल पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता टीम तय करेगा। सीमित टीमों के कारण टूर्नामेंट में शुरुआत से ही हर मुकाबला बेहद अहम रहने की उम्मीद है।

जय शाह ने बताया नया अध्याय

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने टूर्नामेंट को महिला क्रिकेट के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी दुनिया की शीर्ष महिला टीमों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए एक मंच देगी। इससे खिलाड़ियों को वैश्विक पहचान बनाने और रैंकिंग में बेहतर स्थान हासिल करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिला क्रिकेट में अब हर साल आईसीसी का एक बड़ा टूर्नामेंट आयोजित होने से खेल को लगातार गति देने, प्रशंसकों से जुड़ाव बढ़ाने और महिला क्रिकेट के लिए मजबूत वैश्विक ढांचा तैयार करने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता में नारंगी-काली जालीदार पोशाक में उतरीं दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी

खेल से ज्यादा अपने अंदाज को लेकर चर्चा में सबालेंका, बेबाक जवाब से जीता दिल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका एक बार फिर अपने खेल के साथ-साथ अपने पहनावे को लेकर चर्चा में हैं। अमेरिकी टेनिस प्रतियोगिता में उनका नारंगी और काले रंग का जालीदार पहनावा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। इस पोशाक में उनकी खेलों के लिए पहनी जाने वाली अंदरूनी पोशाक और छोटी निकर साफ दिखाई दे रही थी। इसे लेकर सामाजिक माध्यमों पर कुछ लोगों ने सवाल भी उठाए। हालांकि, सबालेंका को इन आलोचनाओं की कोई परवाह नहीं है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब उनसे उनके पहनावे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेबाक अंदाज में कहा, ÷लोग क्या सोचते हैं, किसे परवाह? मुझे यह पसंद है।÷ उनके इस जवाब से साफ है कि वह अपने पहनावे और अंदाज को लेकर पूरी तरह सहज हैं।

हर बड़ी प्रतियोगिता में दिखा अलग अंदाज- सबालेंका ने बताया कि इस साल उनके खेलों के कपड़ों को अलग-अलग बड़ी टेनिस प्रतियोगिताओं के मेजबान शहर और वहां की खेल संस्कृति से प्रेरित होकर तैयार किया गया है। ऑस्ट्रेलिया में हुई प्रतियोगिता के लिए समुद्री लहरों पर खेले जाने वाले खेल से प्रेरणा ली गई थी। फ्रांस में हुई प्रतियोगिता के लिए नृत्य और इंग्लैंड में विंबलडन के लिए क्रिकेट को आधार बनाया गया। वहीं न्यूयॉर्क में हो रही अमेरिकी प्रतियोगिता के लिए बास्केटबॉल को विषय बनाया गया है। न्यूयॉर्क में बास्केटबॉल को विषय बनाने की वजह भी खास है। इसी साल शहर की प्रसिद्ध टीम न्यूयॉर्क निक्स ने 53 साल बाद खिताब जीता है। सबालेंका के मुताबिक, न्यूयॉर्क जैसे शहर में बास्केटबॉल से जुड़ा पहनावा बिल्कुल सही बैठता है और उन्हें इसकी यही खासियत सबसे ज्यादा पसंद है।

महंगे गहनों ने भी खींचा ध्यान

सबालेंका के इस अंदाज को और खास बनाया न्यूयॉर्क की कंपनी मटेरियल गुड के गहनों ने। बताया गया कि उनके पहने गहनों में करीब 127 कैरेट के रत्न शामिल थे। इससे पहले फ्रांस में हुई टेनिस प्रतियोगिता के दौरान भी वह आकर्षक पारदर्शी अंदाज की पोशाक और महंगे गहनों के साथ नजर आई थीं। इससे साफ है कि सबालेंका के लिए टेनिस प्रतियोगिताओं में पहनावा केवल कपड़ों तक सीमित नहीं है। वह अपने कपड़ों और गहनों के जरिए उस शहर की खेल संस्कृति को भी अपने अंदाज में पेश करती हैं।

निजी जिंदगी भी रही सुर्खियों में

सबालेंका की निजी जिंदगी भी इस साल चर्चा में रही है। मार्च 2026 में उन्होंने ब्राजील के कारोबारी जॉर्जियोस फ्रैंगुलिस से सगाई की। दोनों वर्ष 2024 से साथ हैं और फ्रैंगुलिस अक्सर उनके मुकाबलों के दौरान उनका हौसला बढ़ाते नजर आते हैं। सगाई की घोषणा करते हुए सबालेंका ने लिखा था, तुम और मैं, हमेशा के लिए। अब सबालेंका की नजर अमेरिकी टेनिस प्रतियोगिता का लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती हैं तो 2012 से 2014 के बीच लगातार तीन बार खिताब जीतने वाली सेरेना विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन जाएंगी।

चार खिलाड़ियों की फिटनेस पर अब भी सस्पेंस

अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम चुनकर BCCI ने खड़े किए बड़े सवाल

मुंबई, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 से 17 सितंबर तक होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान होते ही चयन को लेकर बहस तेज हो गई है। बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान और तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया है। लेकिन टीम चयन में सबसे बड़ा सवाल उन चार खिलाड़ियों को लेकर है, जिनकी उपलब्धता अभी फिटनेस क्लीयरेंस पर टिकी हुई है।

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी तथा तेज गेंदबाज हर्षित राणा के नाम के साथ बीसीसीआई ने साफ तौर पर 'फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन' लिखा है। यानी टीम घोषित होने के बावजूद इन खिलाड़ियों के मैदान पर उतरने को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

किसी अहम खिलाड़ी को फिटनेस जांच के अधीन टीम में रखना क्रिकेट में असामान्य फैसला नहीं है। खासकर तब, जब वह खिलाड़ी टीम के भविष्य की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखता हो। लेकिन सवाल यहां यह है कि जब भारत के पास विकल्प मौजूद थे, तब चयनकर्ताओं ने शुरुआती टीम में ही ऐसे खिलाड़ियों को शामिल करने का फैसला क्यों किया?इन चारों खिलाड़ियों का अतीत चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों से जुड़ा रहा है। ऐसे में लंबे ब्रेक के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ी के लिए केवल फिटनेस टेस्ट पास करना ही पर्याप्त नहीं माना जा सकता। मैच फिटनेस और मेडिकल फिटनेस दो अलग-अलग स्तर हैं।

बुमराह की जगह इन तेज गेंदबाजों पर भी था भरोसा

भारत के पास तेज गेंदबाजी में विकल्पों की कमी नहीं है। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद सिराज या मयंक यादव जैसे गेंदबाजों को मौका दिया जा सकता था। इन खिलाड़ियों के अनुभव और क्षमता को देखते हुए टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नहीं पड़ता। इसी तरह वाशिंगटन सुंदर की जगह क्रुणाल पांड्या को टीम में शामिल करने का विकल्प मौजूद था। नीतीश कुमार रेड्डी की जगह भी टीम संयोजन के अनुसार दूसरे तेज गेंदबाज या ऑलराउंड विकल्प को आजमाया जा सकता था। हर्षित राणा की जगह किसी युवा तेज गेंदबाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में परखना भी चयनकर्ताओं के लिए भविष्य की तैयारी का हिस्सा बन सकता था।

युवाओं को मौका देने की नीति, फिर बाकी खिलाड़ियों की अनदेखी क्यों?

इस टीम में युवा प्रतिभाओं पर भी भरोसा जताया गया है। वैभव सूर्यवंशी की वापसी इसका बड़ा उदाहरण है। ऐसे में सवाल उठता है कि घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में प्रदर्शन कर रहे दूसरे युवा खिलाड़ियों को भी मौका देने की नीति क्यों नहीं अपनाई गई?अगर चयनकर्ता भविष्य के लिए टीम तैयार कर रहे हैं, तो युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर आजमाना एक उपयोगी रणनीति हो सकती थी। खासकर तब, जब कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस पहले से सवालों के घेरे में हो। इस चयन को केवल तीन मैचों की टी20 सीरीज तक सीमित करके देखना शायद पूरी तस्वीर नहीं होगी। यही 15 सदस्यीय टीम जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भी इस्तेमाल की जानी है। ऐसे में संभव है कि चयनकर्ता एक मजबूत कोर ग्रुप को साथ रखना चाहते हों।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

रोहित शेट्टी के सामने फरहाना का 'फुल स्पीड' अवतार! कार स्टंट में उड़ाए होश

टेलीविजन के चर्चित स्टंट आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी-15' में इस बार फरहाना भट्ट अपने साहस और जज्बे से दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं। आने वाले एपिसोड में अभिनेत्री ऐसा कार स्टंट करती नजर आएंगी, जिसे लेकर उनका सपना शो शुरू होने से पहले ही था। फरहाना के मुताबिक, वह खास तौर पर शो के मेजबान और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के सामने कार स्टंट करना चाहती थीं।

फरहाना ने बताया कि शो में शामिल होने से पहले उनके डॉक्टरों ने उन्हें अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए शरीर पर ज्यादा दबाव नहीं डालने की सलाह दी थी। पूरे सफर की थकान के दौरान एक समय ऐसा भी आया, जब उन्हें लगा कि अब रुक जाना चाहिए। इसके बावजूद उन्होंने अपने मन में तय कर लिया था कि उन्हें रोहित शेट्टी के सामने कार स्टंट हर हाल में करना है। अभिनेत्री के लिए यह केवल एक चुनौती नहीं, बल्कि लंबे समय से देखा गया सपना था।

फरहाना के अनुसार जैसे ही वह स्टंट के लिए कार में बैठीं, उनका डर पीछे छूट गया। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में कार स्टंट करना उनके लिए आसान नहीं था। रोहित शेट्टी को बड़े पर्दे पर जबरदस्त कार एक्शन के लिए जाना जाता है, इसलिए उनके सामने यह चुनौती अभिनेत्री के लिए और भी खास बन गई। फरहाना ने कहा कि उस वक्त उनके दिमाग में सिर्फ यही था कि उन्हें इस चुनौती को पूरा करना है और अपने सपने को हकीकत में बदलना है।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने जिस स्टंट के लिए मन से इच्छा जताई थी, उसे शानदार तरीके से पूरा करने की तमन्ना थी। लेकिन इस दौरान कई अप्रत्याशित परिस्थितियां सामने आईं।

हर बार ड्राइविंग सीट पर याद आएगा यह अनुभव

फरहाना के लिए यह स्टंट सिर्फ शो का एक हिस्सा नहीं, बल्कि यादगार अनुभव बन गया है। उनका कहना है कि भविष्य में जब भी वह ड्राइविंग सीट पर बैठेंगी, इस रोमांचक सफर की यादें उनकी आंखों के सामने जरूर आएंगी। 'खतरों के खिलाड़ी' में चर्चित सितारे खतरनाक स्टंट के जरिए अपने डर का सामना करते हैं। इस सीजन में रुबीना दिलैक, जैस्मीन भसीन, करण वाही, अविनाश मिश्रा, रित्विक धनजानी, गौरव खन्ना, अविका गौर, फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल, विशाल आदित्य सिंह, ओरी, शगुन शर्मा और रुहानिका धवन समेत कई प्रतिभागी नजर आ रहे हैं। आने वाला एपिसोड फरहाना के कार स्टंट और उनके हौसले की परीक्षा के कारण खास रहने वाला है।

बच्चों की खतरनाक बीमारी को लेकर गौहर खान का अलर्ट, बोलीं- 'समय पर टीका लगवाना बेहद जरूरी'

मुंबई। अभिनेत्री गौहर खान इन दिनों मातृत्व के खूबसूरत दौर का आनंद ले रही हैं। साथ ही वह बच्चों के स्वास्थ्य और उनसे जुड़ी गंभीर बीमारियों को लेकर लोगों को जागरूक भी करती रहती हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बच्चों में होने वाली गंभीर बीमारी मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस और इसके बचाव को लेकर एक जागरूकता वीडियो साझा किया। गौहर ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर वीडियो पोस्ट कर माता-पिता से अपील की कि वे इस बीमारी के बारे में जानकारी रखें और बच्चों के टीकाकरण को लेकर अपने चिकित्सक से आवश्यक सलाह लें।

वीडियो में गौहर खान ने कहा कि हर माता-पिता अपने बच्चों के साथ जिंदगी के खूबसूरत पल संजोने का सपना देखते हैं। बच्चे की पहली मुस्कान, उसकी हंसी और छोटी-छोटी खुशियां परिवार के लिए बेहद खास होती हैं। लेकिन इन खुशियों के बीच बच्चों की गंभीर बीमारियों का खतरा माता-पिता के लिए बड़ी चिंता भी बन सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें हाल ही में बच्चों के चिकित्सक से मुलाकात के दौरान मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस के बारे में जानकारी मिली। गौहर ने बताया कि मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस एक गंभीर संक्रमण है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आसपास की झिल्लियों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने माता-पिता को बीमारी के संभावित खतरे को लेकर सतर्क रहने और बच्चों में गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी। अभिनेत्री ने कहा कि बीमारी की गंभीरता को देखते हुए इसके बचाव के उपायों के बारे में जानकारी रखना जरूरी है। गौहर खान ने अपने चिकित्सक की सलाह का हवाला देते हुए कहा कि इस बीमारी से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे को भी टीका लगवाया गया है। अभिनेत्री ने

मेट्रो बाजार

अगस्त में पेट्रोल-डीजल की खपत में जोरदार बढ़ोतरी, आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल और डीजल की खपत में अगस?त में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह देश में उस महीने के दौरान बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है। ये आकलन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के योजना प्रकोष्?ठ के आंकड़ों के अनुसार है। देश में सबसे ज?यादा बिकने वाले पेट्रोलियम उत्पाद, डीजल का इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट और खेती के क्षेत्रों में होता है। इसकी खपत पिछले साल के इसी महीने में 6.58 मिलियन टन थी, जो बढ़कर 7.00 मिलियन टन हो गई, यानी इसमें 6.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

देश के हाईवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और पूरे देश में सामान की आवाजाही बढ़ी है, जिसके कारण डीजल की खपत में भी बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह देश में ट्रैक्टरों की संख्या बढ़ने से भी ईंधन की खपत बढ़ी है। इस साल अगस्त में कमजोर मानसून के कारण किसानों को सिंचाई के लिए डीजल से चलने वाले पानी के पंपों पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ा, जिससे खपत में बढ़ोतरी हुई है। अगस्त में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7.88 प्रतिशत बढ़कर 3.82 मिलियन टन हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3.54 मिलियन टन थी। बढ़ती अर्थव्यवस्था में शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों में कारों और दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ने से पेट्रोल की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है।

भारत सड़क-डिजिटाइजेशन जैसे क्षेत्रों में कर रहा बेहतर कार्य, विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा

एशविले । भारत सकड़, एयरपोर्ट और डिजिटाइजेशन जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य कर रहा है और देश में अर्थव्यवस्था की विकास दर को मौजूदा 7-8 प्रतिशत के पार जाने की क्षमता मौजूद है। यह बयान विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने दिया। बंगा का यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब भारत ने वैश्विक अस्थिरता के बीच वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है।

जी20 के वित्त मंत्रियों की बैठक के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में बंगा ने कहा कि वृद्धि दर के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ÷भारत अब लगातार 7 से 8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल कर रहा है, जो काफी अच्छा है और मुझे लगता है कि इससे भी आगे जाने का मौका है।÷

बंगा ने देश में लगातार हो रहे निवेश के साथ-साथ सर्विस और निर्यात में हुई बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷उस 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर में सर्विस सेक्टर और निर्यात दोनों में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। निवेश का स्तर भी बना हुआ है। इस कारण मुझे लगता है कि भारत ने बहुत मजबूत प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड बैंक के प्रमुख ने कहा कि ध्यान सिर्फ एक तिमाही से आगे बढ़कर, इस बढ़ोतरी को युवाओं के लिए रोजगार और मौकों में बदलने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि भारत के पास प्राइवेट सेक्टर के निवेश और नौकरियों में बढ़ोतरी के जरिए आगे बढ़ने का बहुत अच्छा मौका है। आपको इन सभी चीजो को युवाओं के लिए मौकों, उम्मीदों और आकांक्षाओं में बदलना होगा।

नीली नदी और नीला आसमान... धरती पर उतरा चांद सा दिखता है स्पीति

शिमला. एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी अपनी अनोखी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण पर्यटकों के बीच खास पहचान रखती है। तस्वीर में नजर आ रही नीले पानी की नदी, चारों ओर फैले ऊंचे-बंजर पहाड़ और दूर दिखाई देती बर्फीली चोटियां स्पीति के अद्भुत भू-दृश्य की कहानी कहती हैं। समुद्र तल से करीब 4,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह इलाका हिमालय के ठंडे मरुस्थलीय क्षेत्र का हिस्सा है। स्पीति को अक्सर 'दुनिया के भीतर एक अलग दुनिया' कहा जाता है। यहां बहती स्पीति नदी, प्राचीन बौद्ध मठ, शांत गांव और चंद्रताल जैसी झीलें यात्रियों को रोमांच और सुकून दोनों देती हैं। काजा, की मठ, ताबो, धनकर, हिक्किम और कोमिक यहां के प्रमुख आकर्षण हैं।

न्यूज विंडो

दिल्ली कैंट इलाके में थार ने बाइक सवार महिला और व्यक्ति को रौंदा, मौत

नई दिल्ली. एजेंसी। दिल्ली कैंट इलाके में बुधवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार महिला और पुरुष को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने थार चालक को गाड़ी समेत पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हादसे की पूरी वजह सामने आ सके।

सूट पहनकर शौचालय में घुसी, बुर्का पहनकर भाग निकली महिला बंदी

बरेली. एजेंसी। बरेली सेंट्रल जेल-2 में पॉक्सो अधिनियम के तहत निरुद्ध ममता बुधवार शाम जिला अस्पताल से भाग निकली। वह शौच के बहाने शौचालय में सूट पहनकर घुसी। भीतर ही उसने हुलिया बदला और बुर्का पहनकर वहां से भाग गई। देर रात सूचना मिली तो पुलिस टीम ने जिला अस्पताल को खंगाला। एसएसपी ने उसकी सुरक्षा में तैनात हेड कांस्टेबल नूतन सिसोदिया और कांस्टेबल रिंकी को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि इज्जतनगर थाना क्षेत्र के तुलाशेरपुर की ममता देवी (48) का बेटा नाबालिग लड़की को ले गया था। फरीदपुर थाने में बेटे के साथ मां के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजा गया था। उसे सेंट्रल जेल-2 से 31 अगस्त को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेशी के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई तो उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

यूपी-राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बिना इजाजत वीडियोग्राफी पर जारी रहेगी रोक

नई दिल्ली. एजेंसी। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों, पत्रकारों, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया यूजर्स और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों के प्रवेश पर लगाई गई पाबंदियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। शिक्षा अधिकारियों की ओर से इस रोक को चुनौती देने वाली जनहित याचिका डाली गई, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रिया मिश्रा की याचिका पर जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने सुनवाई की और इसे सुनने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा, हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर रिट याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। यह याचिका कॉकरोच जनता पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान के चलते अहम हो गई है, जिसका मकसद सरकारी स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर में कमियों को उजागर करना है। इस याचिका में खास तौर पर राजस्थान के सेकेंडरी एजुकेशन डायरेक्टर द्वारा 16 अगस्त, 2026 को जारी किए गए एक सर्कुलर को चुनौती दी गई है।

ईरानी हमलों के बीच अमेरिकी सेना ने 40 जहाजों को दी सुरक्षा

अमेरिका ने ईरान के 60 सैन्य ठिकाने किए तबाह, सुरक्षित निकाला 1.8 करोड़ बैरल तेल

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में बीती रात अमेरिका ने बड़ा सैन्य अभियान चलाया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास करीब 60 ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया और इसी दौरान करीब 1.8 करोड़ बैरल तेल ले जा रहे 40 वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता मुहैया कराया।

अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ड्रोन और अन्य सैन्य संसाधनों की मदद से जहाजों की सुरक्षा की तथा ईरान की एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों को नाकाम किया। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार बताया गया है कि इतनी बड़ी मात्रा में तेल होर्मुज से होकर गुजरा।

अमेरिकी हमलों में ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार, समुद्री संसाधन, माइन बिछाने की क्षमता और संचार ठिकाने निशाने पर रहे। साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी भी जारी रखी गई। इस बीच होर्मुज में तनाव लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को सऊदी अरब के झंडे वाले एक कच्चे तेल के टैंकर पर हमला हुआ, जिसमें फिलीपींस के दो क्रू सदस्यों की मौत हो गई। ईरान ने खाड़ी में अमेरिकी सहयोगी देशों के ठिकानों पर भी हमले तेज कर दिए हैं। बहरीन ने कई ईरानी हवाई हमलों को नाकाम करने का दावा किया है।

ड्रोन हमलों से की जहाजों की सुरक्षा

सीएनएन से बातचीत में अमेरिकी अधिकारियों ने बताया, 'यह जोखिम भरा ऑपरेशन तब हुआ जब अमेरिकी सेना ने होर्मुज के आसपास लगभग 60 ईरानी सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला किया। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया, हमने ड्रोन हमलों की मदद से सुरक्षित किए जा रहे जहाजों की रक्षा की और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों को नाकाम किया। युद्ध शुरू होने से पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य से हर दिन लगभग 2 करोड़ बैरल तेल गुजरता था, लेकिन लड़ाई शुरू होने के बाद से, इस जलमार्ग से शिपिंग बहुत कम हो गई है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित हुए हैं और तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

होर्मुज पर कंट्रोल कर रहा अमेरिका

अमेरिका ने इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए पूरी रणनीति तैयार की थी, जिसका मकसद जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखना, कमर्शियल शिपिंग की सुरक्षा करना और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना था। इसके लिए अमेरिकी सेना ने कई तरह के हवाई, समुद्री और अंतरिक्ष संसाधनों का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के जिन ठिकानों पर हमला किया, उनमें एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री संसाधन, माइन-बिछाने की क्षमताएं और कम्युनिकेशन साइट्स शामिल थीं। अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी भी जारी रखी। सेंट्रल कमांड को निर्देश दिया गया कि वह जलडमरूमध्य पर ध्यान केंद्रित करे और ईरानी बंदरगाहों से तेल के निर्यात को रोकें। यह ऑपरेशन कमर्शियल शिपिंग के लिए बढ़ते जोखिमों के बीच हुआ है। सऊदी अरब के झंडे वाले एक कच्चे तेल के टैंकर पर सोमवार को हमला हुआ था और उसमें आग लग गई, जब वह जलडमरूमध्य को पार करने की तैयारी कर रहा था। इसमें फिलीपींस के दो क्रू सदस्यों की मौत हो गई। फिलीपींस के चौदह अन्य क्रू सदस्य बच गए। ईरान ने खाड़ी में अमेरिकी सहयोगियों पर हमले भी तेज कर दिए हैं। बहरीन ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने बुधवार तड़के ईरान के कई हवाई हमलों को नाकाम कर दिया।

प्रयागराज की ड्रग्स फैक्ट्री से 140 करोड़ का माल जब्त, 21 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली. एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाराष्ट्र की मीरा रोड पुलिस ने ड्रग्स तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस क्राइम ब्रांच ने प्रयागराज में ड्रग बनाने वाली एक बड़ी फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए उसे बंद कर दिया है।

दरअसल, महाराष्ट्र के नालासोपारा से जून में शुरू हुई इस ड्रग्स मामले की जांच का दायरा महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ है। नालासोपारा में 112 ग्राम एमडी जब्त होने के मामले की विस्तृत जांच के दौरान, पुलिस ने मुंबई, जलगांव, गुजरात, कल्याण, नेरुल और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए।

3 राज्यों से 21 लोग गिरफ्तार : इस मामले में पुलिस ने 3 राज्यों में छापेमारी कर 21 लोगों को गिरफ्तार किया है और करीब 140 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स जब्त की है। मामले की जांच के दौरान कल्याण के कुख्यात 'जालिम गैंग' और उच्च शिक्षित लोगों की संलिप्तता सामने आई है, जिसमें एक इंजीनियर भी शामिल है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

हरियाणा : ट्रक ने स्कूल जा रहीं दो छात्राओं को कुचला, मौत

कैथल, एजेंसी

हरियाणा के कैथल जिले के अंतर्गत सीवन में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सीवन के गांव मांडी सदरा से स्कूटर पर सवार होकर स्कूल जा रही दो छात्राओं को एक अनियंत्रित ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दोनों छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, हादसा सीवन के मुख्य बाजार के पास मेन रोड पर हुआ। दोनों छात्राएं सीवन स्थित सरकारी कन्या विद्यालय में पढ़ती थीं। मृतकों की पहचान नवनीत कौर और गुणदीप कौर के रूप में हुई है। दोनों आपस में

सहेलियां थीं और रोजाना की तरह सुबह स्कूटर से स्कूल के लिए निकली थीं। नवनीत कौर 10वीं कक्षा में पढ़ती थी, जबकि गुणदीप कौर 9वीं कक्षा की छात्रा थी। हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलने के बाद छात्राओं के परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

चेन्नई : थ्री-लेयर सिक्योरिटी तोड़ी, अलार्म बंद किए और मंदिर से बेशकीमती मूर्ति ले गए चोर

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में मदुरंतकम के पास एक पहाड़ी पर बने मंदिर से भगवान मुरुगन की पन्ने से बनी बेशकीमती मूर्ति चोरी हो गई। चोरों ने तीन-स्तरीय सुरक्षा घेरे को तोड़ा, अलार्म बंद किया और सीसीटीवी कैमरों पर पेंट स्प्रे कर दिया। यह चोरी पेरुंगकरनई गांव के श्री मरगथा बाला दंडायुधपाणि मुरुगन मंदिर में हुई, जिसे भक्त नाडू पलानी के नाम से जानते हैं। मुख्य देवता की यह मूर्ति 2.25 फीट ऊंची है और पूरी तरह से पन्ने से बनी है। इसे मैसूर से लाकर 2008 में मंदिर में स्थापित किया गया था।

मूर्ति की कीमत को देखते हुए पुलिस ने

बताया कि गर्भगृह तक पहुंचने के रास्ते को तीन मजबूत सुरक्षा दरवाजों और लोहे के शटर से सुरक्षित किया गया था। इसके अलावा, घुसपैठ होने पर बजने वाला एक अलार्म सिस्टम भी लगा हुआ था। मंदिर के आस-पास अहम जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। चोरी का पता दूसरे दिन सुबह चला, जब पुजारी और मंदिर के एडमिनिस्ट्रेटर वहां पहुंचे और मूर्ति गायब पाई। उन्होंने तुरंत चिथामुर पुलिस को सूचना दी। सीनियर पुलिस ने मंदिर का मुआयना किया, जबकि फोरेंसिक एक्सपर्ट्स ने गर्भगृह और आसपास के इलाकों से फिंगरप्रिंट और अन्य सबूत इकट्ठा किए। एक स्निफर डॉग की भी मदद ली गई। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि चोरों का पता लगाने, मूर्ति बरामद करने और चोरी में अंदर के लोगों की भूमिका की जांच के लिए दो स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला कि मंदिर के पुजारी पिछली रात बर्गर अलार्म चालू करना भूल गए थे। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इसमें कोई अंतर-राज्यीय गिरोह शामिल था या चोरी किसी संगठित मूर्ति-तस्करी नेटवर्क ने की थी।

मेट्रो एंकर स्वदेशी ग्लाइड बम का सफल परीक्षण, सुखोई-30 एमकेआई से हुआ ड्रॉप ट्रायल

'खगंतक-243' मचाएगा कहर, 140 किमी दूर से दुश्मन पर करेगा वार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायुसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी के ग्लाइड बम खगंतक-243 का सफल ड्रॉप परीक्षण कर रक्षा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वायुसेना के मुताबिक परीक्षण के दौरान सभी निर्धारित उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

खगंतक-243 को 300 किलोग्राम श्रेणी का एयरबॉर्न लॉन्ग-रेंज स्टैंड-ऑफ प्रिसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम बताया गया है। शुरुआती उड़ान परीक्षणों के लिए सुखोई-30 एमकेआई को मंच बनाया

गया। करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई से छोड़े जाने पर इसकी मारक क्षमता 140 किलोमीटर से अधिक बताई गई है।

इसे जेएसआर डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने मिलकर विकसित किया है। जेएसआर डायनामिक्स ने बम की बॉडी और नियंत्रण प्रणाली तैयार की, जबकि बीईएल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और मार्गदर्शन उपप्रणाली उपलब्ध कराई।

पारंपरिक बमों के विपरीत खगंतक-243 पंखों और नियंत्रण सतहों की मदद से लक्ष्य की ओर ग्लाइड करता है। इससे लड़ाकू विमान को सीधे लक्ष्य के ऊपर जाने की जरूरत नहीं पड़ती और सुरक्षित दूरी से हमला करने की क्षमता बढ़ती है। मॉड्यूलर डिजाइन के कारण इसमें मिशन के अनुसार अलग वारहेड और मार्गदर्शन प्रणाली भी लगाई जा सकती है।

....सटीक प्रहार की क्षमता

खगंतक-243 की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी दूरी और सटीक प्रहार क्षमता है। इसे करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई से छोड़े जाने पर 140 किलोमीटर से अधिक दूरी तक लक्ष्य साधने के लिए डिजाइन किया गया है। यह 300 किलोग्राम श्रेणी का ग्लाइड बम है, जिसमें एमके-81 सामान्य प्रयोजन ब्लास्ट-फ्रैगमेंटेशन वारहेड लगाया गया है। इसमें करीब 125 किलोग्राम विस्फोटक भराव है। बम की बेलनाकार बॉडी के साथ बीच में घूमने वाले ग्लाइड पंख और पीछे पांच नियंत्रण सतहें दी गई हैं। ये प्रणालियां बम को हवा में दिशा नियंत्रित करने और लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करती हैं।

स्वदेशी तकनीक से बढ़ेगी वायुसेना की मारक क्षमता

खगंतक-243 का विकास भारतीय रक्षा उद्योग और वायुसेना के बीच बढ़ते तकनीकी सहयोग को दर्शाता है। जेएसआर डायनामिक्स ने इसकी बॉडी और नियंत्रण प्रणाली तैयार की है, जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने इलेक्ट्रॉनिक्स तथा मार्गदर्शन उपप्रणाली विकसित की है। इसका मॉड्यूलर डिजाइन में अलग-अलग मिशनों के अनुरूप बदलाव की सुविधा देता है। शुरुआती परीक्षण सुखोई-30 एमकेआई से किए गए हैं और आगे इसे अन्य लड़ाकू विमानों के साथ भी जोड़े जाने की संभावना है। वायुसेना द्वारा बीईएल को इसकी आपूर्ति का आदेश पहले ही दिया जा चुका है, जिससे इसके परिचालन उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524